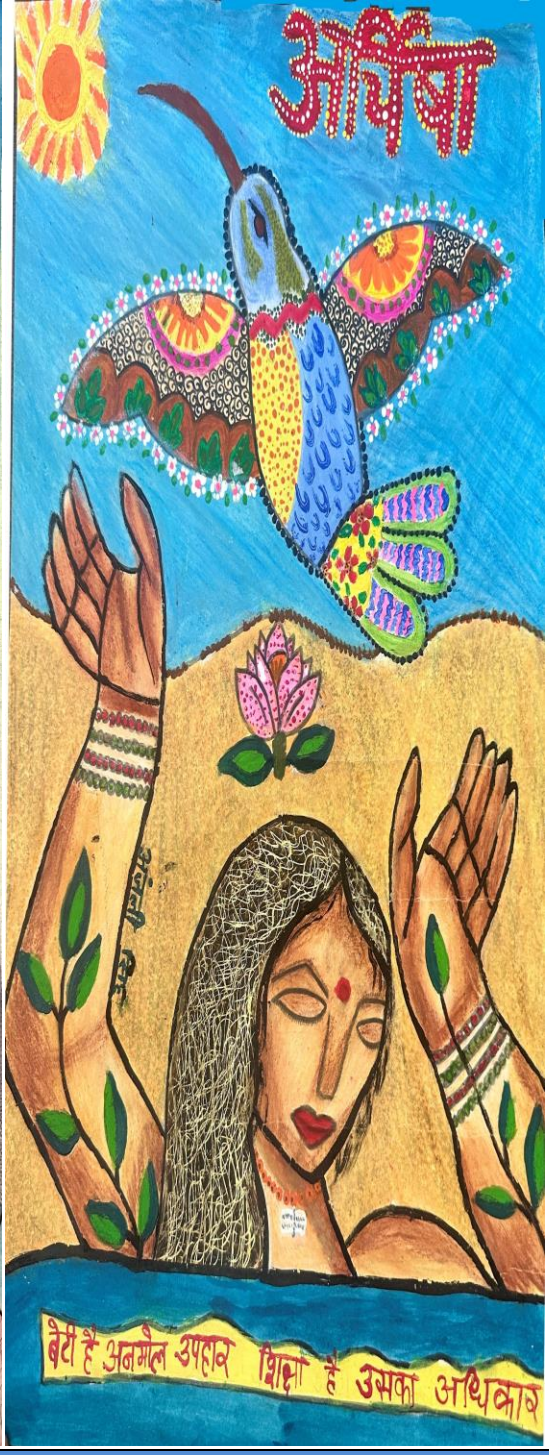

अर्चिषा

2023-24

GOVERNMENT POSTGRADUATE COLLEGE FOR WOMEN

SECTOR-14, PANCHKULA

From Principal's Desk

प्यारी बच्चियों,

तन्दुरुस्त रहो,
मनदुरुस्त रहो।

आप जीवन के एक महत्वपूर्ण दौर में हैं। यह शिक्षा और तकनीक का दौर है। सोशल मीडिया और चैटजीपीटी आपको नई जानकारी देते हैं, कई कामों को सरल भी करते हैं परंतु यदि आप बिना सोचे-समझे इनका उपयोग करें तो ये आपकी मौलिकता को समाप्त कर देते हैं। बेटा, आप ऊर्जावान हैं। अपनी शक्ति का सदुपयोग कर के आप जीवन की दिशा व दशा दोनों बदल सकते हैं। मार्ग में अड़चनें भी आएँगी, उलझनें भी होंगी लेकिन अगर आप को अपने लक्ष्य को पाना है तो मज़बूती से आगे बढ़े चलो। याद रखो कि आप परमात्मा की अमूल्य कृति हो।अपनी मेहनत,लगन और समर्पण से आप ऊँची उड़ान भरो और नये मुक़ाम हासिल करो।

यह पत्रिका आपकी बहुमुखी प्रतिभा को मंच प्रदान करने का सर्वोत्तम माध्यम है।पत्रिका में संकलित प्रत्येक रचना सकारात्मक उर्जा का संचार करती है। महाविद्यालय-पत्रिका अर्चिषा का प्रकाशन महाविद्यालय परिवार के सामूहिक उद्यम का परिणाम है। इस सराहनीय प्रयास के लिए मैं अनेक बधाई व शुभकामनाएँ ज्ञापित करती हूँ।

हार्दिक शुभेच्छा के साथ,
आपकी अपनी,
ऋचा सेतिया
प्राचार्या.

सम्पादकीय

हमारी महाविद्यालयीय पत्रिका अर्चिषा के इस इ-अंक को आप सबको सौंपते हुए मैं अनुतोष का अनुभव कर रही हूँ। मैं साथी संपादक वृंद की हृदय से आभारी हूँ जिनके संयुक्त प्रयासों से पत्रिका इस प्रारूप को पा सकी है। इस सत्र की पत्रिका के आवरण व अंतिम पृष्ठ 'कन्या शिक्षा' तथा 'मेरे सपनों का महाविद्यालय' विषयों पर महाविद्यालय की छात्राओं की कल्पना के रंगों से रंगे-सजे हैं। ये सभी छात्राएं बधाई व स्नेह की पात्र हैं।

युवा पीढ़ी परिवर्तन व प्रगति की परिचायक होती है। आज के कुशाग्र, स्वावलंबी व आत्मनिर्भर युवा कहीं अधिक स्मार्ट, टैक-सैवी, प्रयोगशील, कौशल-प्रवीण, सचेतन व मुखर हैं जो विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। वे रोजगार के नए अवसरों का न केवल लाभ उठा रहे हैं अपितु डिजिटल युग में स्टार्टअप्स के ज़रिए नए रोजगार भी पैदा कर रहे हैं।

साथ ही हमारी युवा पीढ़ी के लिए यह अजब मुश्किलों भरा दौर है। जीवन को सुचारु और सुविधाजनक बनाने की कवायद में अजानते ही हम जीने को उत्तरोत्तर जटिल और दुरूह बनाते जा रहे हैं। आभासी दुनिया से मिलने वाला अधकचरा ज्ञान और अतिशय सूचनाओं का विस्फोट, भौतिकतावाद, आधुनिकता व फैशन की अंधाधुंध दौड़, माता-पिता की असाध्य अपेक्षाओं का बोझ, सब में सब जैसा होने का पीयर प्रेशर और नैतिक-अनैतिक के बीच की धुंधलाती, अर्थ खोती सीमा रेखाएं - इन सब से घिरी किशोर व युवा पीढ़ी स्वयं को नितांत एकाकी, उद्भ्रांत, किंकर्तव्यविमूढ़ व भयाक्रांत पाती है। इसी में संयुक्त परिवार का विघटन, स्नेहात्मक संरक्षण व मार्गदर्शन का अभाव, मी-टाइम के फेर में वी-टाइम को भूलते परिवार, वर्किंग माता-पिता की अनुपलब्धता और उसकी भरपाई के रूप में बच्चों की उचितानुचित सब मांगों की पूर्ति जैसे कारक मिलकर उन्हें अतिशय भावुक, कमज़ोर, असहाय और असुरक्षित बना देते हैं। किसी भी दबाव, आलोचना या प्रारंभिक असफलता को सहन न कर पाने के कारण वे गलत आसान विकल्प चुनते हैं। ये सब अंततः उन्हें मानसिक अवसाद, नशे, ब्लैकमेल और आत्महत्या जैसे आत्मघाती रास्तों की ओर ले जाता है।

बच्चे हमारी सबसे बड़ी पूंजी हैं। हम माता-पिता, शिक्षकों और परिवारजनों को समझना होगा कि एक सशक्त, स्वस्थ, आत्मविश्वासी, निडर व ओजस्वी युवा पीढ़ी तैयार करना हमारी जिम्मेदारी भी है और एक बेहतर समाज और संसार के लिए हमारा योगदान भी। इसके लिए हमें कबीर की सीख "गढ़ि-गढ़ि काढ़ै खोट; अन्तर हाथ सहार दे, बाहर बाहै चोट" पर चलना होगा। हमारे बच्चों को भी और अधिक मजबूत, जिम्मेदार, धैर्यशील व आस्थावान होने की आवश्यकता है ताकि अपनी असीमित ऊर्जा, उत्साह और हौसले को रचनात्मक व सकारात्मक दिशा में लगा सकें। कवि शैलेंद्र के शब्दों में कहें तो "आने वाली दुनिया का सपना" अपनी आंखों में सजाने वाली इस पीढ़ी को यह भी सीखने की ज़रूरत है कि "मुश्किलों से लड़ते भिड़ते जीने में मज़ा है"। हमारी नवपीढ़ी के लिए संदेश के रूप में मैं अपनी एक कविता साझा कर रही हूँ :

सफ़र तमाम अकेले ही
तय करने होते हैं ज़िन्दगी में
इसलिए बाहर गहराते अंधेरों पर
अन्दर की रोशनी को तरज़ीह देना।

सफ़र कोई रुकता नहीं कहीं कभी,

थक-हार कर चलना स्थगित न कर देना।
न पेड़ न छाया मिले कहीं पे गर
खुद अपने साए में पल भर ठहर लेना।

पेड़ों के पत्तों पे दीखने लगे पीलकाई जब
मन में बसन्त के सपने बुनने लगना
और जब बाहर बसन्त बौराए
तो झरते पत्तों वाले मौसम याद रखना।

लेने की अपरिहार्यता
और देने की दीनता सीखना।

सारी व्यथा हताशा मोहभंग के बीच भी
जीवन रहता है वाञ्छनीय और स्पृहणीय भी
कि ज़िन्दगी का, रिश्तों का
कोई सिरा आखिरी नहीं होता
कोई भंग अंतिम नहीं होता।

तरुणा
मुख्य सम्पादक
वरिष्ठ व्याख्याता,
अंग्रेजी विभाग.

English Section

Staff Editor
Dr. Sukriti Bhukkal

Student Editor
Mannat Verma

INDEX

Sr. No.	Topic	Name	Page No.
1.	Editorial	Dr. Sukriti Bhukkal	4
2.	My First Day in College	Shruti	5
3.	To My Mom and Dad	Mamta	5
4.	Riddles	Aradhana Rana	5
5.	Artificial Intelligence	Rimsha	6
6.	Relationships-Equity Theory	Pooja Sharma	6
7.	Interesting Facts about Exams	Reetika	7
8.	The Future of Information Technology	Isha	7
9.	Studying English in India	Komal	8
10.	Happiness	Navkiran	8
11.	Farewell, College Life	Neha	8
12.	Women's safety in India	Pooja	9
13.	Guess Who	Preeti	9
14.	Do You Know?	Prachi Chauhan	9

EDITORIAL

Machines may now perform jobs that have historically required human cognition thanks to artificial intelligence. Artificial intelligence (AI) has the ability to understand and mimic conversational language, solve problems, make decisions, and learn from unstructured data.It gained widespread notice when OpenAI released ChatGPT, a chatbot that processes natural language, in the fall of 2022. But artificial intelligence techniques have long existed in the computer world. You have already dealt with artificial intelligence if you have ever consulted a virtual assistant like Siri or Alexa, played chess against a bot, or even just browsed through your social media feed.

We still don't fully understand how AI will impact important concerns of ethics, equity, and data safety. We're still discovering how these technologies will fit into the education sector as it develops. Nonetheless, we have been able to already identify a number of crucial applications of AI in education. Ever since the inception of computer gaming, educators have acknowledged the importance of play-based learning and have employed educational computer games, such The Oregon Trail, which was first launched in 1974. Thanks to user-responsive programming, AI-powered games of today may provide tailored learning.Leaders in educational technology, including Carnegie Learning and Knewton, provide adaptable platforms that instantly alter the material and activities for students. Ongoing evaluation makes it possible to receive feedback right away and aids in systemic strategy modification. Adaptive learning approaches range from straightforward rule-based systems to intricate machine learning algorithms.Artificial intelligence tools can help teachers free up more time and energy to spend with students by automating tasks like planning, grading, and administrative tasks. This is a prevalent defense of utilizing AI in the classroom.In numerous higher educational institutions, chatbots assist students by answering questions about admissions, facilitating access to course materials and other resources, and sending out automated reminders. Alternative chatbots have the potential to facilitate idea generation, enhance writing abilities, and maximize students' study hours.Frequently specialized on a specific area like mathematics or language, intelligent tutoring systems replicate the one-on-one interaction of working with a human tutor. Khan Academy's Khanmigo tutoring system and the Duolingo program are two examples.

Although AI in education has great promise, its full potential can only be realized through responsible and informed adoption, guaranteeing fair access to high-quality education for everyone.

Dr. Sukriti Bhukkal
Assistant Professor in English

My First Day in College

The anticipation buzzed in the air as I stepped onto the campus grounds of Govt. College for Women, Panchkula, my heart racing with excitement and nerves on my first day of college. As I navigated through the corridors, a mixture of awe and anxiety filled me.

Amidst the sea of unfamiliar faces, I found comfort in meeting new friends, all embarking on this journey together. The lectures and orientations introduced me to the academic route that lay ahead, that sparked a sense of curiosity and eagerness to learn.

Every corner held the promise of discovery, and every interaction offered the opportunity to create lasting friendships. Though the day was filled with uncertainties, it marked the beginning of an adventure in which I would grow, learn, and ultimately discover the person I was meant to become.

Name: Shruti
Class: BA I

To My Mom and Dad

The most beautiful feeling when you enter your home and shout "Ma" or "Mummy" and you see your mom that one look, that one voice makes everything alright always.

I never hugged my parents and never said, "I love you Mom and Dad". I never expressed my feelings in front of them, may be I'm too shy for this but God Knows how much I secretly pray for them.

Name:Mamta
Class: B.A. III

Riddles

Q.1 A cowboy rides into town on Friday. He stays three days, then rides out of tour on Friday. How?
Ans. The horse name is Friday.
Q.2. What is half of two plus two?
Ans. Three
Q.3. People buy me to eat, but never eat me, what am I?
Ans. Plate
Q.4. You see me once in June, trice in November, and not at all in May. What am I?
Ans. The letter E.
Q.5. I shoot but never kill, what am I?
Ans A camera.
Q.6. What has 2 banks but no money?
Ans River
Q.7. Which day of the week should be the best to try an egg?
Ans. Friday.
Q.8. What age is not less or more?
Ans Average
Q.9. What does not get hurt when falls?
Ans Rain
Q.10. I am a bird, I am a fruit and I am a person. Who am I?
Ans Kiwi
Q.11. I am easy to lift but hard to throw, what am I?
Ans A feather
Q. 12. Why Rohit Sharma will not play first match of IPL 2024?
Ans Because 1st match is between. CSK and RCB.

Name:- Aradhana Rana
Class- B.A. II

Artificial Intelligence

If assessment is starting to rule your life, try these top tech tools to case your workload……

Meaningful Assessment:- is key to learning and progress knowing what students achieve and gaining valuable feedback allows to plan their next steps. But let's not kid ourselves, it can be a laborious job- many teachers would bite your arm off for quicker and easier ways to carry it out. The good news is that technology can help. Now, we're not talking robotic feedback with bland, general statements-there are a number of programs that can be used. Here are just a few-

1. **Evidencing Learning**: This is a big part of assessment, so try using a tablet's built- in video camera to record activities such as drama or speaking and learning. Playing the video back allows for closer examination and analysis. I often spot things doing, correcting mistakes as they are spotted or adding comments or suggestions. Reviewing work and tracking progress has never been so easy. The work can be easily shared on Google Docs, giving students a wider audience and a chance to read and correct their accomplishments.
2. **Creating Tests and Quizzes:-** Putting tests together and making them by hand in hard-time consuming work. Type form is a website/app that is perfect.For this sort of activity you can make quizzes, questionnaires and tests and send them to your classmates. Better yet, "Type form marks" the questions for you and gives you feedback and analysis for either your partners.
3. **Class Discussions:** A big part of assessment is tracing progress through constant, rapid feedback and discussions. So, get a class discussion going during a lesson. You may even find that students who are uncomfortable in speaking in front of whole class, will join in more when online on twitter.Another great website on which to hold class discussions, especially if you want to keep your class talks private, is 'TODAYS MEET', it lets you set up a classroom/chartroom where pupils can ask questions and able to support each other.

Name: Rimsha
Class: B.A. III

Relationships-Equity Theory

A fruitful tree always bend.
"People who care above their relations always bend"
In my words-Anything for example-fruit, food, money time respect if people have these things without any struggle without any compromise they don't respect all these things
The don't appreciate all those things they have.
If people have food, money then they waste.
And similarly, This world has caring people also put they are always termed, selfish by others.
P.O.V.- If you want that your love & time should be
Respected
Respect other's love and time first.

Name: Pooja Sharma
Class: B.A. III

Interesting Facts about Exams

Fact 1: According to a study, students who eat breakfast before an exam, perform better than those who don't; because eating a nutritious breakfast can help to improve focus and concentration during the exam.

Fact 2: The act of writing by hand, rather than typing on a computer, has been shown to improve retention and recall of information during exams.

Fact 3: Stress is not always a bad or negative thing. According to American Psychological Association, it is believed that stress helps you carry out tasks more efficiently and enhance your motivation. All you need is to balance your level of stress.

Fact 4: Seeing a tough exam gives you the same feeling .like being in a first fight.

Fact 5: When you say the word that " the exam is going to be tough", your mind prepares you to fail and some of us actually do. So, always say positive things before starting your exam like " I can do it."

Fact 6: An invigilator becomes an enemy when you want to cheat and becomes an awesome facilitator when you write the exam on your own.

Fact 7: Research has shown that studying for short periods of time but more frequently is more effective than cramming for long periods of time before an exam.

Fact 8: Students who listen to music while studying tend to perform worse in exams than those who study in silence. This may be because music can be distracting factor while studying.

Hope you can relate to atleast some points! Anyway, no matter how you Perform, you wouldn't be better than Sharmaji's son !!! He is in a completely different league.

Name:- Reetika
Class- B.A. II

The Future of Information Technology

During the ten thousand years of human civilization, we have covered a long distance after nuclear technology, Information Technology is the latest marvel of modern science. It has shaken the geographical boundaries and shattered commentional barriers and limits. It has revolutionized the very concept of 'human'. It has opened new frontiers and explored the unknown areas of human knowledge. Information technology will play a major role in setting new standards in human life. There was a time when news traversed at the pace of post horses. Now we have E-mail through which we receive written messages thousands of miles away within seconds. Computers have replaced human minds. The memories of computerized machines go beyond those of human minds. The internet technology has made our reach easier and conven ient to any kind of recorded source of knowledge.

The future of information technology has been joined to the immediate future of mankind. Be it peace or war; drought or floods; home or abroad, IT will continue playing a deciding moll in all works of life. The use of IT in hospitals, offices and the corporate world has made working more systematic and quick. A few computer discs can contain the knowledge and information of all our libraries. The misuse of IT can be disastrous. Hacking, jamming and wires infections have a lot of potential threats and mischiefs. Anyway, it depends on man how we use or abuse the vast powers and potentials of information Technology.

Name: Isha
Class: B.A. III

Studying English in India

Studying English in India has become increasingly crucial in today's globalized world. With English being the lingua franca of international communication, proficiency in the language opens up numerous opportunities for Indians both domestically and internationally.

In India, English is not just a language but a symbol of prestige and upward mobility. Many prestigious universities and schools across the country offer English language courses, catering to students from diverse backgrounds. These institutions provide comprehensive curriculums aimed at enhancing students' reading, writing, listening, and speaking skills in English.

Moreover, proficiency in English is often seen as a gateway to higher education and better job prospects. Many professional fields, such as IT, finance, and customer service, require fluency in English, making it an essential skill for career advancement.

Furthermore, studying English in India fosters cultural exchange and understanding. Through literature, media, and academic discourse, students gain insights into different cultures, perspectives, and ideas, enriching their worldview.

However, challenges such as access to quality education, regional disparities, and socioeconomic factors can hinder widespread English proficiency. Efforts to address these challenges, such as government initiatives and educational reforms, are essential to ensure equitable access to English education across India.

In conclusion, studying English in India is not just about learning a language; it's about empowerment, opportunity, and global connectivity. It equips individuals with the skills they need to thrive in an increasingly interconnected world.

Name: Komal
Class: M.A. (English) II

Happiness

Happiness is a radiant beacon in life, illuminating our paths with joy and contentment. It resides in the simple moments: a warm embrace, a shared laugh, or the beauty of nature. It's the feeling of gratitude for what we have and the anticipation of what's to come. Happiness springs from within, nurtured by love, kindness, and meaningful connections. It thrives in acts of generosity and in the pursuit of our passions. Though fleeting at times, its essence lingers, reminding us to cherish each moment and embrace the journey of life with open hearts and grateful souls.

Name: Navkiran
Class: BA I

Farewell, College Life

College life, a journey swift,
Filled with memories, our spirits lift.
Friends made, bonds strong,
In our hearts, you'll always belong.
Laughter echoing in halls,
Through triumphs, through falls.
Lessons learned, both big and small,
Cherished moments, we recall.
But now, the time has come to part,
With gratitude, we fill our heart.
Farewell, dear college, bittersweet,
In our memories, you'll forever beat.

Name: Neha
Class: BA III

Women's safety in India

Women's safety in India is a complex issue that demands urgent attention and action. Despite significant strides in various sectors, women continue to face numerous challenges related to their safety and security. Factors such as gender-based violence, harassment, discrimination, and societal norms contribute to the vulnerability of women in public spaces, workplaces, and even within their homes.

Efforts to address women's safety in India include legislative measures, awareness campaigns, and community initiatives. Laws have been enacted to criminalize offenses such as rape, sexual harassment, and domestic violence, aiming to provide legal recourse and protection to women. Additionally, awareness programs and education campaigns seek to challenge harmful attitudes and behaviours while empowering women to assert their rights and speak out against violence.

However, despite these efforts, much remains to be done to ensure women's safety comprehensively. Strengthening law enforcement, improving access to justice, enhancing public infrastructure, and promoting gender equality are crucial steps towards creating a safer environment for women in India. It requires collective action from government, civil society, communities, and individuals to create a society where women can live and thrive without fear of violence or harassment.

Name: Pooja
Class: BA I

Guess Who

1. Who wrote "To Kill a Mockingbird"?
   a) Ernest Hemingway
   b) Harper Lee
   c) J.K. Rowling

2 In which book series would you find the character Harry Potter?
   a) The Lord of the Rings
   b) Chronicles of Narnia
   c) Harry Potter

3. Which classic novel begins with the line, "It was the best of times, it was the worst of times"?
   a) Pride and Prejudice
   b) Moby-Dick
   c) A Tale of Two Cities

4. Who is the author of "The Great Gatsby"?
   a) F. Scott Fitzgerald
   b) John Steinbeck
   c) George Orwell

5. Which famous detective was created by Sir Arthur Conan Doyle?
   a) Sherlock Holmes
   b) Hercule Poirot
   c) Miss Marple

Answers:
1. b) Harper Lee
2. c) Harry Potter
3. c) A Tale of Two Cities
4. a) F. Scott Fitzgerald
5. a) Sherlock Holmes

Name: Preeti
Class: M.A (English) II

Do You Know?

Every day, two bulls fight in every person’s mind:
Positivity and negativity.
Do you know which one wins?
The one which you feed the most!

Name:- Prachi Chauhan
Class- B.A III

NCC

एकता और अनुशासन

राष्ट्रीय सेवा योजना

NATIONAL SERVICE SCHEME

हिन्दी अनुभाग

प्राध्यापक सम्पादिका
डॉ. सुनीता रानी

छात्र सम्पादिका
रजनी

अनुक्रमणिका

क्र.म.	विषय	नाम	पेज नं0
1.	सम्पादकीय	डॉ0 सुनीता रानी	11
2.	कॉलेज के दिन	रजनी गोयल	12
3.	पहेलियाँ	माया	12
4.	कुछ अधूरे सपने	कोमल	13
5.	खुशियाँ	शालिनी	13
6.	मेहनत वाला तीर	हेमा शर्मा	13
7.	चिड़िया और मधुमक्खी	सरस्वती	13
8.	ज़िंदगी	माफी शर्मा	14
9.	मेंढक का मेंढक	इसराना	14
10.	महिला अधिकार	पायल	15
11.	चतुर किसान	सुगंध	15
12.	ज़िंदगी	भारती भगल	15
13.	सच्चा ज्ञान	मुस्कान	16
14.	प्रयास करो तमाशा मत देखो	प्रिया	16
15.	हा.. हा.. हा..	रजनी	16
16.	मोबाइल फोनः वरदान या अभिशाप	कामना	17
17.	रूखसती एक अनकही कहानी	अंजली	17
18.	पहेलियाँ	शालिनी	18
19.	सुविचार	रिया	18

सम्पादकीय

चरित्र मुनष्य की सबसे बड़ी पूंजी है। अच्छा आचरण एक साधारण मानव को भी पूजनीय बनाता है। जीवन में धन, बल व शरीर के खत्म हो जाने पर भी मनुष्य को कुछ नहीं बिगड़ता परन्तु समाज में जिसका एक बार चरित्र गिर गया, उस प्राणी के पास कुछ भी शेष नहीं बचता। मानव–चरित्र किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व, नैतिकता और आचरण का सम्मिश्रण होता है। उसके आंतरिक गुणो, विश्वासों और मुल्यों का प्रतिनिधित्व करता है। अच्छे चरित्र में उदारता, विनय–भाव, धैर्य, सच बोलना, वचन का पालन करना, कर्तव्य–परायणता इत्यादि गुण पाये जाते है। ज्ञान आपको शक्ति देगा, लेकिन चरित्र हमेशा सम्मान करवाएगा। सभी धर्मों में व्यक्ति को चरित्र को बनाए रखने की प्रेरणा दी जाती है। चरित्र मनुष्य को उसके जीवन में प्रतिष्ठा दिलाता है। सही मायने में देखा जाए तो किसी भी व्यक्ति की पहचान उसका चरित्र होता है। इसलिए हमें अपने चरित्र को ही इतना सशक्त बनाना चाहिए कि अगर आपके चरित्र पर कोई उंगली उठाए तो आपसे पहले समाज के अन्य लोग उसे चुप करवा दे, उस पर यकीन न करे। वस्तुतः आज हमें अपने चरित्र को बनाए रखने की परम आवश्यकता है। आज हम एक ऐसे युग में जी रहे है जहां नैतिक मूल्यो का ह्रास हो रहा है। चरित्र–निर्माण केवल व्यक्तिगत विकास के लिए ही नहीं, बल्कि एक स्वस्थ और समृद्ध समाज के निर्माण के लिए भी आवश्यक है, इसलिए चरित्र–निर्माण को प्राथमिकता देना समय की मांग है। उन सभी छात्राओं का धन्यवाद जिन्होंने सृजन कार्य द्वारा पत्रिका में अपना योगदान दिया।

डॉ0 सुनीता रानी
प्राध्यापिका
हिन्दी विभाग

कॉलेज के दिन

कॉलेज के वो खूबसूरत दिन।
जिसमें लेक्चर लगाते सब गिन–गिन।।

वो टीचर का 5 मिनट तक क्लास में न आना।
और बच्चों का अपना बैग उठाके भाग जाना।।

कॉम्पीटिशन में नाम लिखवाना।
और बीमारी का बहाना कर छुट्टी मनाना।।

Assignment टाईम पर Submit न करवाना।
और फिर भाई–बहन की शादी के फसाने सुनाना।।

दोस्त अच्छे होते हैं ये सबने बताया।
पर मैंने तब जाना जब उन्होंने मुसीबत में साथ निभाया।।

कुछ टीचर्स बहुत ही खास होते हैं।
तभी तो उनसे दिल की हर बात होती है।।

टीचर्स के साथ फोटो एक खूबसूरत पल है।
यही टीचर्स हमारा आज और फल हैं।।

सुनीता मैम का प्यार और अपनापन।
भर देता है क्लास का खालीपन।।

वंदना मैम का रेगुलर क्लास लगाना।
मिल जाता डेली कॉलेज आने का बहाना।।

संगीता मैम का सी0सी0एल0 पर जाना
और हमारी खुशी का, ना रहता ठिकाना।।

तरूणा मैम का मुझे गले लगाना।
ऐसा लगा कि मिल गया हो जन्नत का खजाना।।

इन्हीं टीचर्स का मेरे ऊपर प्यार और विश्वास था।
तीन साल बीत गए क्योंकि इन्हीं का साथ था।।

कॉलेज के दिन बहुत ही जल्दी निकल गए। ऐसा लग रहा है आज आए और कल ही चल दिए।।

नामः रजनी गोयल
कक्षाः बी.ए. तृतीय वर्ष

पहेलियाँ

एक कहानी मैं कहूँ
सुन ले मेरे पूत,
बिन परों के उड़ जाऊँ
लो बांध गले में सूत।
(पतंग)
अंधेरे में बैठी है एक रानी
सिर पर है आग और तन में है पानी।
(मोमबत्ती)
काले घोड़े पर सफेद सवारी
एक उतरते ही दूसरे की बारी
(तवा और रोटी)
हरी थी मन भरी थी राजा जी के बाग में
दुशाला ओढ़े खड़ी थी।
(भुट्टा)
एक मुंह है और तीन है मेरे हाथ,
रहता नहीं कोई मेरे साथ।
गोल–गोल हूँ मैं रोज चलता,
सबकी थकान मैं हूँ मिटाता।
(पंखा)
वो सुबह से शाम तक आसमान की ओर देखती है,
और रात होते ही मुंह फेर लेती हैं,
बताओ क्या है?
(सूरजमुखी)
वह भिखारी नही, लेकिन पैसा मांगता है,
लड़की नहीं लेकिन पर्स रखता है।
पुजारी नहीं लेकिन फिर भी घंटी बजाता है।
(बस कंडक्टर)
कई लोगो को राह दिखाए,
कान पकड़कर लोगो को पढ़ाए।
साथ ही वे नाक भी दबाए
बताओ ये क्या कहलाए।
(चश्मा)
एक थाली है उल्टी पड़ी, फिर भी मोतियों से भरी,
फिरती है थाल चारों ओर, न मोती गिरे और न ही कोई शोर।
(आसमान और तारे)
लाल शरीर और काला मुँह है,
कागज वो खा जाता है।
हर शाम पेट खोलकर,
कागज कोई ले जाता है।
(पोस्ट बॉक्स)

नाम : माया
कक्षाः बी.ए. तृतीय वर्ष

कुछ अधूरे सपने

कुछ अधूरे सपने पूरे करने हैं, बेरंग–सी जिदंगी में इंद्रधनुष के सुदंर रंग भरने हैं।
सच्ची नियत, इरादे नेक आलसपन के पंख कतरने हैं।
कुछ अधूरे सपने पूरे करने है, ये सपने, सपने नहीं, जिदंगी का मुकाम है। जो चूक गए हासिल करने से, लगा हौसला, मिली हिम्मत, सपनों की उड़ान भरने में।
लगा जैसे सब हसीन ख्वाबों के झरने है, कुछ अधूरे सपने पूरे करने हैं
मेहनत खूब सारी, उम्मीदों की यारी
इस सबके हाथ पकड़ने हैं, कुछ अधूरे सपने पूरे करने हैं।
दोस्तों की आशा, अपनो का विश्वास दृढ से कुछ कर गुजरने की आस
सबके सब वादे पूरे करने हैं।
कुछ अधूरे सपने पूरे करने हैं
बचपन की खट्टी'–मिट्ठी गोली
सपनों संग आंख–मिचौली
न दिन का पता, न शाम की खबर
बस हसीन ख्वाब बने मेरे हमजोली
सपनो की गुल्लक में चवन्नी के सिक्के भरने हैं।
कुछ अधूरे सपने है जो पूरे करने हैं।

नामः कोमल
कक्षाः बी.ए. तृतीय वर्ष

खुशियाँ

काश मुसीबतों की भी लिमिट होती,
तो जिंदगी कितनी हसीन होती,
हर कोई खुश होता।
हर तरफ खुशीयां होती।
न कोई अमीर होता,, न कोई गरीब होता
तो ये जिंदगी कितनी बेहतरीन होती,
हर तरफ सुकून होता।
हर तरफ शांति होती, न कोई झगड़ा होता।
न कोई लड़ाई होती,
बस चारों तरफ प्यार की बौछार होती।
न कोई परेशानी होती, न कोई हैरानी होती।
तो ये जिंदगी कितनी महफूज़ होती।

नामः शालिनी
कक्षाः बी.ए. तृतीय वर्ष

मेहनत वाला तीर

मन इतना क्यों बहलाता है,
रोज–रोज एक ही बात कहता जाता है,
मंजिल भी मिल जाएगी,
रास्ते भी कट जाएंगे,
आज आराम कर लेते हैं,
कल से पक्का डट जाएंगे,
मेहनत की किताब के, हर पन्ने को रट जाएंगे,
कभी–कभी ज़हन में एक सवाल आता है,
क्या आलस एक मजबूरी है,
या दुखों की गहराईयाँ दिखाने के लिए
यह भी जरूरी है,
फिलहाल तो देख रहा हूं मंजिल को,
बैठा एक ही स्थान से,
और मन ही मन सोच रहा हूं,
कि किस दिन निकलेगा,
यह मेहनत वाला तीर कमान से,
तब तक कहीं छूट ना जाऊँ
पीछे इस जहान से,
पता नहीं कब निकलेगा, तीर कमान से।

नाम : हेमा शर्मा
कक्षाः बी.ए. तृतीय वर्ष

चिड़िया और मधुमक्खी

एक बार एक चिड़िया ने मधुमक्खी से पूछा कि तुम इतनी मेहनत से शहद बनाती हो और इंसान आकर उसे चुरा ले जाता है तो तुम्हें बुरा नहीं लगता तो इस पर मधुमक्खी ने बहुत ही सुंदर जवाब दिया– ''इंसान मेरा शहद तो चुरा सकता हैं लेकिन वो कभी मेरे शहद बनाने की कला नहीं चुरा सकता।'' छोटी–सी कहानी हमें सिखाती है कि कोई भले कितना भी चतुर क्यों न हो वह सिर्फ आपके काम की नकल कर सकता है लेकिन कभी भी वो आपके हुनर को नहीं चुरा सकता। इसलिए किसी से धोखा खाने या नुकसान उठाने के बाद हार मत मानिए। अपने हुनर के बल पर फिर से कोशिश कीजिए।

नामः– सरस्वती
कक्षाः– बी0ए0 तृतीय वर्ष

ज़िंदगी

अंर्तमन चीख–चीखकर कहता है,
ज़िंदगी कितनी खूबसूरत है।
अरे सोचो, जिंदगी बहुत खूबसूरत है
यह धरती रूपी कालीन
आसमां की चादर
प्राकृतिक संगीत गूँ–गूँ, चीं–चीं
तपता आग का गोला
मनमोहक शीतलता का पिटारा
कितना सुंदर बनाते है ज़िंदगी को
तभी आवाज आती है
कौन सी?
अरे आंतरिक आवाज
जिंदगी कितनी मनमोहक है
कितनी खूबसूरत हैं
प्यार, दुख, हंसी
चुप्पी, डर और विश्वास भी
ये भी इसका अहम हिस्सा है, जिंदगी का
अरे मूर्ख व्यंग, कटाक्ष कैसे छोड़ दिया
जो सफलता का अहम हिस्सा है
तभी कोई कहता है
जिंदगी कितनी खूबसूरत है
अरे मानो, जिंदगी खूबसूरत है
ना अंत ना आरंभ है
जिंदगी कितनी खूबसूरत है।
यदि चश्मा पहने
अब सोचोगे
फैशन वाला नहीं–नहीं–नहीं
सकारात्मकता तथा धीरज का
संसार अलग दिखेगा
सभी तत्व कुछ सिखाएँगे
तभी आत्मा कहती है
सुन, जिंदगी कितनी खूबसूरत है।
डर लगता है
इसमें बुराईयाँ है
कहीं कमल पर कीचड़ का दाग न लग जाए
अरे, अरे मैं बुराईयों से मुक्त नहीं हूँ
कुछ है, पर कम है
निश्चय है कमल डूबेगा नहीं
पर फिर भी डर है
डर में खुशी है
यही तो ज़िंदगी है
चलो आत्मा और हम मिलकर कहते हैं
ज़िंदगी कितनी खूबसूरत है।

नामः माफी शर्मा
कक्षाः बी.ए. द्वितीय वर्ष

मेंढक का मेंढक

एक मेंढक बड़ी उग्र तपस्या करने लगा। क्षुद्र प्राणी की इतनी प्रबल निष्ठा देखकर शंकर जी दयार्द्र हो उठे, उन्होंने उससे पूछा– ''वत्स तुझे कष्ट तो नहीं कुछ।''

मेंढक ने कहा–''भगवान! पड़ोस में एक दुष्ट सर्प रहता है जो मुझे भय देता रहता है। उससे ध्यान में विघ्न पड़ता रहता है। कोई ऐसा उपाय कीजिए जिससे मेरा भय दूर हो और निश्चित मन से तपस्या कर सकूँ।

शंकर जी ने मेंढक को साँप बना दिया। अब उसे कुछ भय न रहा, पर थोड़े दिन बाद एक नेवला उधर आने लगा। मेंढ़क को फिर भय उत्पन्न हो गया। मेंढ़क ने भगवान शिव का ध्यान किया तो वे प्रकट हो गए। कारण पूछने पर उसने नई व्यथा सुनाई। भगवान ने उसे नेवला बना दिया।

नेवला बना मेंढक सुखपूर्वक रहने लगा। अब एक वनबिलाव उधर आने लगा और नेवले की घात सोचने लगा। मेंढक ने यह व्यथा कही तो भगवान ने उसे वनबिलाव बना दिया।

कुछ दिन बाद सिंह की आँखे वनबिलाव पर लगी तो शिव जी की कृपा से उसे सिंह का शरीर प्राप्त हो गया। इतने पर भी चैन न मिला। शिकारी अपना जाल और धनुष संभाले सिंह की घात में फिरने लगे।

मेंढक ने दुखी मन से फिर शिव जी को पुकारा, जब वे पधारे तो उसने कहा ''प्रभु! मुझे मेंढक ही बना दीजिए।'' सिंह का शरीर छोड़कर पुनः उसी छोटे शरीर में लौटने की इच्छा करने वाले मेंढक से आश्चर्य पूर्वक भगवान शिव ने पूछा–'' भला ऐसा क्यों?''

शिक्षाः– भय कभी दूर नहीं होता और न बाधाएँ कभी समाप्त होती हैं। जीव जिस स्थिति में भी है, उसी में कठिनाइयों से साहस–पूर्वक लड़ते हुए आगे बढ़ सकता है।

नामः इसराना
कक्षाः बी.ए. प्रथम वर्ष

महिला अधिकार

जब हम भारत में महिला अधिकार के बारे में बात करते है तो हम यह याद रखें कि महिलाओं को अपने अधिकारों जैसे वोट देने का अधिकार, संपति के अधिकार, आंदोलन की स्वतंत्रता, उनके कानूनी अधिकार और कई अन्य अधिकारों के बारे में जागरूक होना चाहिए, जिसका अर्थ है– महिलाओं को अधिकार देना। महिलाओं को उनके आत्म–मूल्य, अपनी पंसद निर्धारित करने की, उनकी क्षमताओं का एहसास कराना और ऐसे समाज को आकार देना जहां महिलाएं अन्य मनुष्यों की तरह ही अपना सम्मान और अधिकारों का आनंद ले सकें।

प्राचीनकाल में भारतीय संस्कृति में महिलाओं को पुरूषों के बराबर माना जाता था और लिंग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाता था, इसके बजाय महिलाओं को समाज द्वारा सम्मानित किया जाता था, और उस समय समाज महिलाओं को जननी मानता था। जिसका अर्थ है माँ, हिन्दू धर्मग्रन्थों में भी नारी को देवी माना गया है। वे अपने पूर्ण बुनियादी अधिकारों का आंनद लेते थे। जहां वे शिक्षा प्राप्त करने के लिए स्वतंत्र थे, उस समय ऋषियो की पत्नियां अपने पतियों के साथ आध्यात्मिक गतिविधयों में भाग लेने के लिए तैयार हो सकती थी। उस काल में स्त्रियों को भी पुरूषों के समान ही समान जीवन जीने को मिलता था। समय के साथ–साथ उनकी स्थिति भले ही बदल गई हो, लेकिन वैदिक युग में वे आदर्शो के पूर्ण रक्षक और संरक्षण के प्रतीक थे।

जैसे–जैसे समय बीतता गया, समाज बदलावों के साथ विकसित हुआ और किसी तरह महिलाओं को अपने अधिकारों और शक्तियों का आनंद लेने का मौका मिला, लेकिन यह समाज ही हर महिला के लिए उपलब्ध नहीं था। भारत मे ंमहिलाओं के अधिकारों के लिए जंग ईस्ट इंडिया कंपनी की शुरूआत में हुई। वे उस समय असाधारण रूप से बहादुर महिलाएं थी। जैसे बेगम हजरत महल, उदा देवी और अजीजुन बायल, उनमें से एक झांसी की रानी लक्ष्मी बाई भी है।

महिलाओं के अधिकार के लिए लड़ाई मानवाधिकारों की लड़ाई है। जैसे–जैसे समाज विकसित हो रहा है, लैंगिक समानता की वकालत जारी रखना महत्वपूर्ण है, न केवल महिलाओं के लाभ के लिए बल्कि पूरे समाज की भलाई के लिए।

वैसे तो महिलाओं को संविधान के द्वारा बहुत से अधिकार दिए गए है जैसे समानता का अधिकार, शिक्षा का अधिकार आदि, परन्तु इनका ठीक से पालन होना पूरे समाज की जिम्मेदारी है।

नामः पायल
कक्षाः बी.ए. प्रथम वर्ष

चतुर किसान

एक बार एक किसान के पास एक बकरी, घास की एक गठरी और एक शेर था। उसे एक छोटी नाव पर एक नदी पार करनी थी। वह एक बार में उनमें से केवल दो को ले जा सकता था। किसान मुश्किल में था कि अगर वह पहले शेर को ले जाए तो उसकी अनुपस्थिति में बकरी घास खा जाएगी। यदि वह घास ले जाए तो शेर बकरी को खा जाएगा।

अतः में उसने सही समाधान ढूंढ लिया। उसने पहले बकरी को ले जाने की सोची और नदी के दूसरी तरफ छोड़ दिया। फिर वह दूसरे चक्कर में शेर को ले गया। वह शेर को छोड़कर बकरी को वापस ले आया। बकरी को इस किनारे छोड़कर वह घास की गठरी को साथ ले गया। वह शेर के पास घास छोड़ कर बकरी को लेने के लिए अंत में लौट आया। इस प्रकार वह बिना किसी नुकसान के नदी पार कर गया।

नैतिक शिक्षाः– छोटी–सी सूझबूझ भी जीवन में बहुत काम आती है।

नाम : सुगंध
कक्षाः बी.ए. प्रथम वर्ष

ज़िंदगी

रब ने नवाज़ा हमें ज़िंदगी देकरः
और हम शोहरत मांगते रह गएः
ज़िंदगी गुजार दी शोहरत के पीछेः
फिर जीने की मोहलत मांगते रह गये।
ये कफन ये जनाजे, ये कब सिर्फ बात है।
मेरे दोस्त, वरना मर तो इंसान तभी जाता है
जब याद करने वाला कोई न हो।
ये समंदर भी तेरी तरह खुदगर्ज निकला,
जिदां थे तो तैरने ना दिया
और मर गये तो डूबने ना दिया
क्या बात करें इस दुनिया की
हर शख्स के अपने अफसाने हैं
जो सामने है उसे लोग बुरा कहते हैं,
जिसको देखा नहीं उसे सब खुदा कहते हैं।।

नामः– भारती भगल
कक्षाः– बी0ए0 द्वितीय वर्ष

सच्चा ज्ञान

एक बाल–ग्वाल रोजाना अपनी गायों को जंगल में नदी किनारे चराने के लिए ले जाता था। जंगल में वह नित्य–प्रतिदिन एक संत के यौगिक क्रियाकलाप देखता था, संत आंखे और नाक बंद कर कुछ यौगिक क्रियाएं करते थे। एक दिन उससे रहा नहीं गया। उत्सुक्तावश उसने संत से यौगिक क्रियाओं के बारे में पूछ लिया। बाल–ग्वाल के सवाल पर संत ने जवाब दिया कि वह इस तरह से भगवान से साक्षात्कर करते हैं। संत के प्रस्थान करने के बाद ग्वाल भी यौगिक क्रियाओं को दोहराने लगा और इस बात का संकल्प ले लिया कि आज वह भगवान के दर्शन साक्षात करके ही रहेगा। ग्वााले ने अपनी दोनो आंखे बंद कर ली, और नाक को जोर से दबा लिया। श्वास प्रवाह बंद होने से उसके प्राण निकलने की नौबत आ गई, उधर कैलाश पर्वत पर महादेव का आसन डोलने लगा। शिव ने देखा कि एक बाल–ग्वाल उनसे साक्षात्कार करने के लिए कठोर तपस्या कर रहा है। उसके दृढ निश्चय को देखकर शिव प्रगट हुए और बोले, ''वत्स मैं तुम्हारी तपस्या से प्रसन्न हूॅ और तुमको दर्शन देने आया हूँ।'' ग्वाले ने बंद आंखो से इशारा कर पूछा, ''आप कौन हैं।'' भोलेनाथ ने कहा कि मैं वही भगवान हूँ जिसके लिए तुम इतना कठोर तप कर रहे हो। ग्वाले ने आंखे खोली और सबसे पहले एक रस्सी लेकर आया। चूंकि उसने कभी भगवान को देखा नहीं था, इसलिए उसके सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया। उसने भगवान को पेड़ के साथ रस्सी से बांध दिया और संत को बुलाने के लिए भागकर गया। संत उसकी बातों पर यकीन करते हुए दौड़े आए लेकिन संत को कहीं पर भी भगवान नजर नहीं आए। संत ने बाल–ग्वाल से कहा, ''मुझे तो कहीं नहीं दिख रहे।'' तब ग्वाले ने भगवान से पूछा, ''प्रभु आप यदि सही में भगवान हो तो साधु महाराज को दिख क्यों नहीं रहें हो?'' तब भगवान ने कहा कि जो भक्त छल–कपटरहित सच्चे मन से मुझे याद करता है, मैं उसको दर्शन देने के लिए दौड़ा चला आता हूॅ। तुमने निश्छल मन से मेरी अराधना की, अपने प्राण दांव पर लगाए और मेरे दर्शन का दृढ़ संकल्प लिया इसलिए मुझे कैलाश से मृत्युलोक में तुमको दर्शन देने के लिए आना ही पड़ा जबकि साधु के आचरण में इन सभी बातों का अभी अभाव है। वह रोजाना के क्रियाकलाप करते है, लेकिन उनके मन में अभी भटकाव है इसलिए मैं तुमको तो दिखाई दे रहा हूँ लेकिन संत को नहीं।

सीखः– मन की निर्मलता ही ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग है।

नामः मुस्कान
कक्षाः बी.ए. प्रथम वर्ष

प्रयास करो तमाशा मत देखो

एक गांव में आग लग गई। आग बढती जा रही थी और गांव वाले अपनी जान बचाने हेतु इधर–उधर भाग रहे थे। एक चिड़िया ने यह दृश्य देखा और अपनी चोंच में पानी भरकर आग बुझाने का प्रयास करने लगी। वो बार–बार अपनी चोंच में पानी लाती और आग पर डालती। जब गांव वालों ने चिड़िया को आग पर पानी डालते देखा तो उनमें भी जोश आ गया और बोले कि अगर ये चिड़िया प्रयास कर रही है तो हम क्यों नहीं कर सकते। सबने प्रयास किया और आग बुझ गई। ये सब एक कौआ देख रहा था। उसने चिड़िया से कहा कि तेरे पानी डालने से कुछ होना तो था नहीं, फिर तू ये क्यों कर रही थी? चिड़िया बोली कि मेरे पानी डालने से कुछ हुआ या नहीं हुआ लेकिन मुझे गर्व है कि जब भी इस आग की बात होगी तो मेरी गिनती आग बुझाने वालो में की जायेगी, तेरी तरह तमाशा देखने वालो में नहीं।

नामः प्रिया
कक्षाः बी.ए. प्रथम वर्ष

हा.. हा.. हा..

संता और बंता दोनो भाई एक ही क्लास में पढ़ते थे। अध्यापिकाः तुम दोनो ने अपने पापा का नाम अलग–अलग क्यों लिखा?
संताः मैडम फिर आप कहोगे
नकल मारी है, इसलिए।

गधाः मेरा मालिक मुझे बहुत पीटता है।
कुत्ताः तुम भाग क्यों नही जाते।
गधाः मालिक की खूबसूरत लड़की जब पढ़ाई नहीं करती तो वो कहता है कि तेरी शादी गधे से कर दूंगा। बस इसी उम्मीद से टिका हूॅ।

चिटूः दूनियां में दो तरह के नेटवर्क ही सबसे तेज हैं।
पिंटूः कौन–कौन से?
चिंटूः एक ईमेल और दूसरा फीमेल। एक मिनट में इधर की बात उधर पहुंचा देती हैं।

पढ़ाई से जुड़े गानेः
School: ये गलियां ये चौबारा, यहां आना न दोबारा.....
Coaching : इधर चला, मैं उधर चला.....
Maths:- अजीब दासतां है ये कहां शुरू कहां खतम.....
Science: आ खुशी से खुदकुशी कर ले.....
Geography : मुसाफिर हूं मैं यारो, न घर है न ठिकाना.....
Economics: क्यों पैसा–पैसा करती है, तू पैसे पे क्यों मरती हैं .....
Exam: जिया धड़क–धड़क जाए.....
रिजल्ट
Pass : आज मैं ऊपर, आसमां नीचे
Fail:- जग सूना–सूना लागे ..।।

नामः रजनी
कक्षाः बी.ए. तृतीय वर्ष

मोबाइल फोनः वरदान या अभिशाप

प्राचीन काल से मानव एक–दूसरे के साथ संपर्क करने के लिए विविध माध्यमों का उपयोग करता हैं। प्राचीन समय में लोग एक–दूसरे से पत्रों द्वारा बात करते थे परंतु आधुनिक युग में सम्पर्क का सशक्त माध्यम है मोबाइल।

मोबाइल की खोज ने मानव जीवन को सरल एवं सुखमय बना दिया हैं। आज हर व्यक्ति के हाथ में फोन नजर आता है। ऐसे में यह सवाल खड़ा हो गया है कि मोबाइल हमारे लिए वरदान है या अभिशाप?

आज के गतिमान जीवन में यह सभी के लिए एक जरूरत बन गया है। इससे हम किसी भी समय अपने परिवार के संपर्क में रह सकते है। इससे हम किसी भी तरह की जानकारी एक–दूसरे के पास भेज सकते हैं। इसके जरिए शिक्षा प्राप्त करना, घर बैठे खरीदारी करना आसान हो गया है। इसके साथ ही मोबाइल फोन मनोरंजन का भी अच्छा साधन है।

जहाँ मोबाइल फोन के इतने लाभ हैं वहीं इसकी कुछ हानियां भी हैं। आजकल की युवा पीढ़ी घंटो मोबाइल पर अपना कीमती समय व्यतीत करती हैं जिससे आंखो पर गहरा असर पड़ता है। मोबाइल गेम तथा सोशल मीडिया का अधिक उपयोग करने से मानसिक तनाव उत्पन्न होता है। आज–कल के विद्यार्थी वर्ग पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है। विद्यार्थियों को जो समय अपनी पढ़ाई को देना चाहिए वे गाने सुनने अनावश्यक बाते करने चैटिगं करने में बिताते है।

मोबाइल फोन के लाभ होने के साथ–साथ कुछ हानियां भी हैं। मोबाइल फोन ने हमारे जीवन को सरल तथा समृद्ध बना दिया है। बस हमें इसका इस्तेमाल पूरे अनुशासन से करना चाहिए।

नामः कामना
कक्षाः बी.ए. प्रथम वर्ष

रूखसती एक अनकही कहानी

बहनः इतने अच्छे हो, क्या बताऊँ,
मन करता है मेरा, तुम्हें सताऊँ।।
कभी माँ का प्यार बन जाते हो,
कभी पापा का साथ और डाँट।।
दुनिया में एक ही डर है मेरा,
कोई ना दे मुझे तुमसे बांट।।
एक शिकायत भी है
कभी तो अपने दिल का हाल सुना दिया करो।
रोते–रोते मुस्करा दिया करो।।

माँः– मेरा बेटा राज–दुलारा,
चिल्लाता भी है, निभाता भी है, सताता भी है,
मेरे लिए तो मेरा जीवन है,
तो मुझे क्यों छोड़ के जाता है?

बेटाः–तेरे लिए तो रहा हूँ माँ, इसमें मेरा कोई मोल नहीं आपको दुनिया की सारी खुशियां देना चाहता हूँ। मेरा इसमें कोई झोल नहीं।

माँः– नहीं चाहिए हमें ये सारी सुख सुविधा, दौलत।
थोड़ी देर रूक जा बेटा, देदे हमें थोड़ी मोहलत।।
तेरे अन्दर क्या दिल नहीं है, बुरा नहीं लगता क्या तुझे।
कभी तो दिल का हाल सुना दिया कर।
रोते–रोते मुस्करा दिया कर।।

पिताः–बेटा मेरे पास सब है
तू बोल मैं हाजिर करूं,
और हमारे पास रहकर,
कर दे इस दुनिया की साजिश को नाकाम,
देख, चुटकियों में हो जाएंगे तेरे सारे काम।।
बेटाः–मन क्या मेरे नहीं करता, जो नहीं उठा, उसे दबा देती है दुनिया,
बस इसी चीज से हूँ डरता।।
नहीं रह सकता मैं, क्यों आप में से कोई मेरे बात नहीं समझता?
बहनः–किसको पागल बना रहे हो,
अपने अन्दर के गम को क्यों छुपा रहे हो। दुनिया के लिए हम सबको छोड़कर जा रहे हो।।
भाईः– क्यों समझ नहीं पा नहीं ये बात आप लोग,
जाना दस्तूर हैं जिंदगी में, समझ जाइए ना।
बहन– एक बार गले लगकर अपने दिल का हाल बता दो ना भाई, रोते–रोते मुस्कुरा दो ना भाई।।

नाम : अंजली
कक्षाः बी.ए. द्वितीय वर्ष

पहेलियाँ

प्र0 1. ऐसी कौन सी चीज है जो सोने की है लेकिन सुनार की दुकान पर नहीं मिलती?
उ0 तकिया और चारपाई।

प्र0 2. न काशी, न काबा धाम, बिन जिसके हो चक्का जाम। पानी जैसी चीज है वह, झट से बताओ उसका नाम?
उ0 पैट्रोल

प्र0 3. ऐसी कौन सी चीज है जो समुद्र में पैदा होती है और आपके घर में रहती है?
उ0 नमक

प्र0 4. हरी डंडी लाल कमान तोबा–तोबा करे इंसान?
उ0 लाल मिर्च

प्र0 5. छोटे से है मटकूदास, कपड़े पहने एक सौ पचास?
उ0 प्याज

प्र0 6. ऐसी कौन सी चीज है जो हमारे जागने पर ऊपर रहती है। सोते ही गिर जाती है?
उ0 आखों की पलकें

प्र0 7. प्यास लगे तो पी सकते, भूख लगे तो खा सकते है, ठंड लगे तो जला सकते है, बोलो जल्दी मेरा नाम?
उ0 नारियल

प्र0 8. वह क्या है जो हमारे आस–पास फ्री में और हॉस्पिटल में पैसो में मिलती है?
उ0 ऑक्सीजन

प्र0 9. ऐसी कौन सी चीज है, जिसे हम निगलें तो जिंदा रह पाएँ और अगर वह हमें निगले तो हम मर जाएँ?
उ0 पानी

प्र0 10. ऐसी चीज बताओ जो तुम्हारी है लेकिन उसे दूसरे इस्तेमाल करते है?
उ0 तुम्हारा नाम

प्र0 11. खुशबू है, पर फूल नहीं, जलती है, पर ईर्ष्या नहीं। बताओ क्या हूँ मै?
उ0 अगरबत्ती।

नामः शालिनी
कक्षाः– बी.ए. प्रथम वर्ष

सुविचार

1. जीवन में प्रयास सैदव कीजिए लक्ष्य मिले या अनुभव दोनो ही अमूल्य हैं।
2. किस्मत के पन्ने वही पलटता है जो दिन रात मेहनत करता है।
3 बहुत कुछ खोना पड़ता है जिंदगी में तब जाकर खुद से मुलाकात होती है।
4. सफलता की शुरूआत हमेशा असफलता से होती है।
5. यदि आप सपना देख सकते हैं तो आप उसे पूरा भी कर सकते हैं।
6. प्रसन्नता वो चन्दन हैं जिसे दूसरे के मांथे पर लगाइये तो आपकी अंगुलियाँ भी महकती हैं।
7. याद रखें खुशी दूसरो से बढ़ती तो जरूर है, लेकिन दूसरो पर निर्भर नहीं करती है।
8. सबसे खुश व्यक्ति वह है जो दूसरों की खुशी को बढ़ावा देता है।
9. पानी अगर शांत है तो गहराई से मजाक नहीं करते।
10. मंजिलें क्या है रास्ता क्या है?
    हौसला हो तो फासला क्या है?
11. कामयाब इंसान खुश रहे न रहे लेकिन खुश रहने वाला इंसान जरूर कामयाब होता हैं।
12. प्रसन्नता एक ऐसा खजाना है, जो बांटने से बढ़ता है।
13. खुश रहना ही एकमात्र खुशी नहीं है।
14. .अपने जीवन से संतुष्ट रहे क्योंकि संतुष्टि में खुशी शामिल हैं।

नामः रिया
कक्षाः– बी.ए. द्वितीय वर्ष

SPORTS MEET

ANNUAL ATHLETIC MEET

Clubs & Departmental Activities

Commerce Section

Staff Editor
Ms. Nandini

Student Editor
Kajal

INDEX

Sr. No.	Topic	Name	Page No.
1.	Editorial	Ms. Nandini	20
2.	College Life	Mahak	21
3.	Your Best!	Soniya	21
4.	Smile	Urrvashi	21
5.	My First Day at College	Shruti Rana	21
6.	Treshers	Riya	21
7.	कॉलेज का पहला दिन	आरती	22
8.	Education and Career	Pinki Yadav	22
9.	Krishna	Shrishti Raj	22
10.	तुम काफी हो	मुस्कान	22
11.	Dream of Blue	Mehak	23
12.	A Smile	Jiya	23
13.	Thoughts	Simran	23
14.	हार	पलक ठाकुर	23
15.	Clean India Green India	Payal	24
16.	टाजादी	लज्जा	24
17.	Life is like a Camera	Salani	24
18.	When You See an Opportunity	Mehak Sharma	24
19.	संकल्प	आंचल	25
20.	Tell Yourself	Ranjit Kaur	25
21.	किताबों में ही है असली ज्ञान	शिखा	25
22.	बढ़े चलो	यशी जहाँगीर	25

Editorial

Financial literacy is the ability to understand and effectively use various financial skills, including personal finance management, budgeting and investing. It enables the Individuals to make informed decision about their personal finances. The fire principles - Earn, spend, save & invest, borrow protect are the building blocks of financial literary. These are also known as My money fire. Achieving financial literacy is crucial in today's society due to everyday facets of life, such as student loans, mortgages, credit cards, investments and health insurance. An individual can use some tools to increase financial literacy like Money smart, Moneywise, E**co**nedlink etc. Making steps to becoming financially literate is an important component of life that can ensure financial solidity, reduce anxiety and stimulate the achievement of financial goals.

Nandini
Extension Lecturer
Department of Commerce

College Life

In the halls of academia,
Where Knowledge is sought,
Where minds are molded
And dreams are wrought.
College a time of treansition,
Where we find our place,
Where we explore our passions,
And set our own pace,
A time of friendships forged,
And memories made,
Of late- night study sessions,
And exams we've aced.
College, a time of growth,
both intellectual and personal,
Where we learn to think critically,
And become more well- rounded.
A time of challenges and triumphs,
of failures and successes,
Where we learn to persevere,
And never give up on our dreams.
College, a time to prepare for the future
To find our calling,
To make a difference in the world,
And leave our mark.
So let's embrace this time,
And make the most of it,
For college is a journey,
That we'll never forget.

Name : Mehak
Class BBA I

Your Best!

If you always try your best
Then you'll never have to wonder
About what you could have done
If you would summoned all your thunder
And if you best
was not as good
As you hoped it would be,
You still could say,
"I gave today
All that I had in me."

Name: Soniya
Class: BBA I

Smile

Smile when you are happy,
Smile when you are sad,
Smile when you are hurt,
Smile when you feel bad
Smile when you are in love
Smile when you have nothing to do
Before you smile make sure you Brush!!

Name: Urrvashi
Class: BBA I

My First Day at College

I still remember that day,
I was happy as well as nervous,
experiencing the place & meeting new friends. College to me was cheerful,
Maths, account, Business were fearful,
As is stepped into my class,
I thought I was the greatest fool.
Then I made myself relaxed,
Introduced myself to them all,
Though I was shy infront of girls,
Somehow I managed them all.
And now in came our miss,
Having a smile on her lips,
She then asked our names,
We told our name one by one
She looked extremely happy.
And gave us a big applause,
I was a happy little one,
I still remember that day.

Name: Shruti Rana
Class: BBA I

Treshers

The Era of academic uniformity came to end launching you to another trajectorey of Individuality with new expectation in reality. Another life will be started in your humanity. The obstacles your faced were a festinormy. For the job you did with your destiny. Today you must echo the reality that you will be victimized for the life you will choose to live.

Name: Riya
Class: BBA 1st Year

कॉलेज का पहला दिन

कॉलेज का वो पहला दिन था।
एक एहसास था नया नया
कुछ जाने पहचाने लोग थे
और थे कुछ अनजाने चेहरे
थे हम बिल्कुल बिदांस
अपने दोस्तो के साथ
लिए कुछ ख्वाहिशे दिल की
बिना परवाह किए कल की
दोस्तो यही तो एक वक्त है
यादे बनाने का
और एक वक्त वो होगा
आप सबसे बिछड़ जाने का
ढेर सारी यादें और कितने खूबसूरत सपने
जो कभी थे पराये यहां हो गए सब अपने
इन सारी यादों को समेटे जा रही हूँ मै
कॉलेज की हर एक बात को
दिल में बसा रही हूँ मैं।

नाम : आरती
कक्षा : बी.बी.ए. प्रथम वर्ष

Education and Career

It is quite true that career building is not the aim of education. For most of the people education is for securing a lucrative career. However, the broader meaning of education includes many other things as well. In its highest sense, education is emancipation from ignorance. So the true goal of education is not to equip self with all the basic knowledge, skills and training to do well in life financially, but also to prepare oneself to successfully deal with physical, social emotional and spiritual challenges.

Limiting education as a means to securing employment is an understatement. Looking at education with this parochial perspective will mean undervaluing the vast scope of education. Education is for enrichment of the self, grooming of the personality, having the creative talents talent in all human beings.

Name: Pinki Yadav
Class: BBA I

Krishna

You are born on janmanshtami
It is prime day for me,
All the time you played your flute,
You are very naughty and cute,
Balram is your elder brother
Maa Yashado is your strict Mother.
Butter is your delicious food,
A food, which refreshes your mood,
O'Lord, you have lotus feet,
At vrindavan, all the gopies run to meet.
Ras Leela is your bellied dance.
You have many fans!!
My favorite food is at Jagannath Puri
And it is Enduri for Prothamashtomi
!!!! Narayano Hari Narayana!!!!
Radhe Radhe……

Name Shrishti Raj
Class: BBA I

तुम काफी हो

तेरी मेरी ऐसी जुड़ गई कहानी
जुड़ जाता जैसे दो नदियों का पानी
मुझे आगे तेरे साथ बहना है
जाना तुमने तो है ये बात जानी
कि ये जिन्दगी कैसे बनती सुहानी
मुझे हर पल तेरे साथ रहना है
तुम कुछ अधूरे से हम भी कुछ आधे
आधा आधा हम जो दोनो मिला दे
तो बन जाएगी अपनी एक जिंदगानी
ये दुनिया मिले या ना मिले हमको
खुशियाँ भगा देगी हर गम को
तुम साथ हो फिर क्या बाकी हो
मेरे लिए तुम काफी हो
एक आसमां के है हम दो सितारे दो
कि टकराते है टूटते है बेचारे
मुझे तुमसे पर ये कहना है
चक्के जो दो साथ चलते है थोड़े तो
घिसने रगड़ने मे छीलते है थोड़े तो
पिर यूंही तो कटते है कच्चे किनारे
ये दिल जो ढल तेरी आदत पे
शामिल किया है इबादत में
थोड़ी खुदा से माफी हो
मेरे लिए तुम ही काफी हो।

नामः– मुस्कान
कक्षाः– बीबीए प्रथम वर्ष

Dream of Blue

From behind my transparent wall
I listened to the crashing lights
from above and watched the sky
hind behind a blanket of grey,
painting the rooftops in darkness.
The tempo of raindrops rise
and the taps on the glass become louder
as if the rain is begging to come in
Now the window moves to an interior view.
And I see myself, sitting alone in this room painted like the summer sky
My home, the place where I crawled
In the shadows, of my parents
who taught me to make footsteps of my own
Soon, I will sink my feet into puddles
and search through the cracks in the clouds for the sun. So I can finally hear the bang of the hammer and nail,
When I craft a room of my own.

Name: Mehak
Class: BBA II

A Smile

A smile is quite a funny thing,
It wrinkles up your face.
And when it's gone
You'll never find
Its secret hiding place
But far more wonderful it is
To see what smiles can do.
You smile at one,
He smiles at you,
And so one smile
makes two.

Name: Jiya
Class: BBA-II Year

Thoughts

I'll be as bold as a hill,
and stand tall to fake all hurdles
I'll be as soft as a breeze
and bring pleasure and treasure.
I'll be as fast as a wave,
washing away all stoves coming in way
I'll bring fame and never shame.
I'll shine as bright as a star
I'll fights all obstacles with all my might
But nobody knew that it was my
last night.

Name: Simran
Class: BBA-II Year

हार

सपने देखे कुछ लोगो ने,
कितने से वो भी हो ना पाया।
हिम्मत है कि तुम सोच रहे,
डरते नहीं कठोर वास्तविकता से।
कुछ डर के मारे हार गए,
अपने सपनो को टाल गए।
सपनों को सच करने की मेहनत,
कितनो से वो भी हो न पाया।
तुम जान लगाकर डटे हुए
बाधाओं से अब तक डरे नहीं।
कुछ डर के मारे हार गए
अपने सपनो को टाल गए।
अंतिम क्षण में न घबराना,
कितनो से वो भी हो न पाया।
पर तुम्हारा विश्वास अब भी कायम,
तुम डरते नहीं परिणामों से।
कुछ डर के मारे हार गए,
अपने सपनो को टाल गए।
परिणाम आए तो हार स्वीकारना,
कितनो से वो भी हो न पाया।
तुम भी अगर हार तो चिंतित न होना,
दोबारा प्रयास करने से डरना नहीं।
क्योंकि कुछ डर के मारे हार गए,
अपने सपनों को टाल गए।

नामः पलक ठाकुर
कक्षाः बी.बी.ए. प्रथम वर्ष

Clean India Green India

Making India clean and green is a dream of all the citizens. Will this align Green India mission? We focus to keep our India clean and also concentrate on stopping deforestation and incrasing the number of trees in India. The best way is that we should start the cleanliness drive from our room, kitchen, house and society. It is deemed time and situation to protect the environmental beauty and purity of the surroundings.

Sustainable development is not possible without green and clean environment and clean climate. The government alone is not responsible in making India clean and green. Swachh Bharat Abhiyan launched by the Prime Minister of India in 2014 is a good start to make India cleaner and greener. To make India cleaner, create forest. Let us work together to achieve our aim of clean and green India.

Name : Payal
Class: BBA I

आजादी

पंछी है कैद अगर,
तो उड़ने में कर मदद तू।
रात है काली अगर,
दिया जला कर रोशन कर तू,
बीत गए कई साल रूढ़िवादी विचारों में ढ़ल कर,
सुलझा मन के भाव तू।
औरत, आदमी या हो कोई बच्चा, सबके जीवन का कर सम्मान तू।
तोड़ दे दीवारें सारी
आगे बढ़ विजयी राह पर।
उन वीरों ने क्या पाया,
अगर तू अब भी डर में खोया।
उठ जा तू, छू ले आसमान,
आजादी पे है सबका हक।

नामः— लज्जा
कक्षाः— बी.बी.ए. प्रथम

Life is like a Camera

Just focus on what's important.
Capture the Good times.
Develop from the Negatives,
and if things don't work out.
Just Take Another Shot!
Don't Give Up
Don't Give up and Don't Give in
It's All in the Lord's Hands
No matter what you are facing
He is the one who can
In any situation
His Grace Can turn it around
So you can be victorious
As his love does abound.
The Beginning and the End he knows
And all That's In Between
So put your Total Trust in Him
To him It's all foreseen
He knows about your struggles
He knows about your pain.
Your hardships and yours sorrows
And He will help you to reign.
So Don't give up and Don't Give in
Don't Quit before it's time
God's Grace will give you power
To make it to the finish line.

Name: Salani
Class B.Com II (Hons)

When You See an Opportunity

When you see an opportunity
Reach out and grab it
Work had towards your goal
Be effective and efficient
It is simply up to you
To sharpen your mind
Do you very best
Be the one to inspire and shine.

Name : Mehak Sharma
Class: BBA II

संकल्प

सपनो को लेकर मुठी में,
और दिल में लेकर आशाएँ
आओ अब सकंल्प करें, कुछ कर जाएँ –कुछ कर जाएँ।
आखिर कब तक भटकें लेकर,
मायूसी और आवारापन
इक लक्ष्य बनाकर चलदें और मिलकर विजय–गीत गाएँ, कुछ कर गाएँ, कुछ कर जाएँ।
कुछ करना है तो डरकर चलें
दुनिया से थोड़ा डटकर चलें
जब लक्ष्य सामने खड़ा अटल,
फिर क्यूँ घूमें दाएँ–बाएँ, कुछ कर जाएँ कुछ कर जाएँ।
जब पंख लिए है हौसलों के
हम उड़ने से फिर क्यों घबराऐं
गहराईयों में रहकर जमीन की
चलो आसमाँ पाएँ, कुछ कर जाएँ कुछ कर जाएँ।
इक खड़ा जो सरहद पर
वो अड़िग वीर मुस्कान लिए
इक खड़ा जो खेत खलिहानों में वो कृषक आर्विभाव ज्ञान लिए
लो सीख जीवन की इनसे
दुनिया रंगों से भर जाएँ
आओं अब संकल्प करें, कुछ कर जाएँ कुछ कर जाएँ।

नामः आंचल
कक्षाः बीबीए प्रथम वर्ष

Tell Yourself

Everything will work out.
Things will get better.
You are important.
You are worthy of great things.
You are loveable.
The time is now.
You can be who you really are.
The best is yet to come.
You are strong.
You can do this.

Name: Ranjit Kaur
Class: BBA I

किताबों में ही है असली ज्ञान

कर्म करना है काम तुम्हारा
मेहनत करना मैं सीख रही
जो पहचान तुम्हे दिला सके
ऐसा इंसान बन रही
लकीरों में तो बहुत कुछ लिखा है
पर अपनी मेहनत से करों
चाहे कितना मुश्किल हो रास्ता
मार्ग आप अपना मजबूत करो
पढ़ाई का शॉर्टकट कोई नहीं
इसलिए समय पे शुरूआत करो
गलतियों से अपनी सीखो
और खुद से खुद में सुधार करो
पढ़ाई को दो पहला स्थान
फिर क्रीड़ा और टीवी को
मोबाइल से परहेज करो
और समय का सही उपयोग।
तपके जो बनता है सोना
वही तो मस्तक पे है सजता
हार न मानो और आगे बढ़ो
तुम बस अपना लक्ष्य सिद्ध करो
जीत तो होगी तुम्हारी
अपना ध्यान अध्ययन पे करो
परीक्षा में है सफल होना
याद बस यही बात रखो

नाम शिखा
कक्षाः बीबीए प्रथम वर्ष

बढ़े चलो

फूल बिछे हो या कांटे हो
राह न अपनी छोड़ो तुम।
चाहे जो विपदायें आएँ,
मुख को जरा ना मोड़ो तुम।
साथ रहें या रहें न साथी,
हिम्मत मगर न छोड़ो तुम।
नहीं कृपा की भिक्षा मांगो,
कर न दीन बन जोड़ो तुम।
बस ईश्वर पर रखो भरोसा,
पाठ प्रेम का पढ़े चलो।
जब तक ज्ञान बना हो तन में,
तब तक आगे बढ़े चलो।।

नामः यशी जहाँगीर
कक्षाः बी.बी.ए. प्रथम वर्ष

Glimpses of Cultural Activities

Entrepreneurship Development Cell

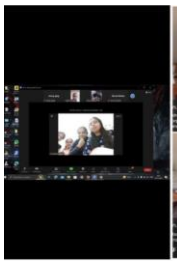

International Music Seminar

Science Section

Staff Editor
Ms. Teena Aggarwal

Student Editor
Rakhi

INDEX

Sr. No.	Topic	Name	Page No.
1.	Editorial	Ms. Teena Aggarwal	27
2.	Are We Poisoning our Children with Plastics?	Dr. Nancy	28
3.	Because I'm IP	Deepika Sharma	29
4.	An Ode to the Beautiful College Days	Sneha	29
5.	In Another Lifetime	Rakhi	29
6.	पिता	राखी	29
7.	मैं छोटी सी कली	दीपिका शर्मा	30
8.	The Road to Success	Diya Sharma	30
9.	Understanding Heart Attacks	Anchal	31

Editorial

In recent years, the concept of the kitchen garden has gained popularity as more people seek to cultivate fresh, organic produce right in their own backyard. In this article, we explore the joys and benefits of kitchen gardening, offering practical tips and inspiration for creating your own edible oasis.

A kitchen garden, also known as a vegetable garden, is a space dedicated to growing fruits, vegetables, herbs, and edible flowers for culinary use. Beyond its practical function, a kitchen garden adds beauty, fragrance and vitality to outdoor spaces, transforming ordinary landscapes into vibrant, productive ecosystems.

The benefits of kitchen gardening extend far beyond the dinner table. By growing your own food, you have control over what goes into your produce, ensuring that it is fresh, pesticide free, and packed with nutrients. Kitchen gardening also promotes sustainability by reducing food miles, minimizing packaging waste, and conserving resources such as water and energy. Moreover, gardening is a therapeutic activity that relieves stress, boosts mood, and fosters a sense of accomplishment and self-sufficiency.

Before breaking ground on your kitchen garden, take time to plan and design your space thoughtfully. Consider factors such as sunlight, soil quality, drainage, and access to water when selecting a location for your garden. Sketch out a layout that maximizes space and efficiency, and pathways for easy access and maintenance. When choosing plants for your kitchen garden, prioritize varieties that are well-suited to your climate, growing conditions and culinary preferences. Start with easy-to-grow, high-yielding crops such as tomatoes, peppers, lettuce, and herbs like basil, parsley, and thyme. Incorporate edible flowers, fruit trees, and perennial herbs to create a dynamic and multifunctional garden that delights the senses year-round.

Like any garden, a kitchen garden requires regular maintenance and care to thrive. Keep weeds in check by mulching and hand weeding, and monitor plants for signs of pests and diseases. Practice integrated pest management (IPM) techniques such as companion planting, crop rotation, and natural predators to minimize the need for chemical pesticides. Water plants deeply and consistently, paying attention to soil moisture levels and adjusting irrigation as needed. Finally harvest fruits and vegetables at their peak of ripeness to enjoy the freshest flavors and nutrients from your garden.

In conclusion, a kitchen garden is a delightful addition to any home, offering a bounty of fresh, nutritious produce and a sanctuary for the soul. By embracing the art of kitchen gardening, you can reconnect with nature, nourish your body, and cultivate a deeper appreciation for the food we eat. Whether you're a seasoned gardener or a novice enthusiast, there's no better time to start your own edible oasis and embark on a journey of culinary creativity and self-sufficiency.

Teena Aggarwal
Extension Lecturer
Department of Zoology

Are We Poisoning our Children with Plastics?

Plastics are inexpensive, lightweight, strong, durable, corrosion-resistant materials, with high thermal and electrical insulation, properties. The diversity of polymers and the versatility of their properties are used to make a vast array of products that bring medical and technological advances, energy savings and numerous other societal benefits. As a consequence, the production of plastics has increased substantially over the last 60 years from around 0.5 million tonnes in 1950 to over 260 million tones today. There are a number of chemicals in plastics that can cause health issues in children. Main among them are Bisphenol A and phthalates. Plastics affect children in many ways include Early-onset of puberty, Enlarged breasts in males, Infertility Miscarriage, Low sperm count, Low androgen levels in males, Imbalances in oestrogen and progesterone in females. However, Plastic food wraps might offer a lot of convenience in terms of packing and storing food. But plastic leeches harmful chemicals known as xenoestrogens. These chemical mimic estrogen hormone in the body, this can disturb hormonal balance in children at their growing stage. Aluminium foil has somewhat similar effect on food. Even though they have been used for wrapping rotis, paranthas and numerous other food items. And companies manufacturing these aluminium foils claim that they keep food warm (when they clearly don't) these foils leech Aluminium into food. Plastic baby bottles aren't safe because they contain a dangerous chemical. Bisphenol A (BPA), may cause nerve and behavior problems in infants and children. Bottle-fed babies swallow millions of microplastics a day. The Natinal Institutes of Health (NIH) and the Environmental Protection Agency brought together experts who reviewed 700 published studies on BPA. They found that the BPA levels in humans are higher than the levels causing adverse effects in animal studies. According to over 130 studies, BPA can cause breast cancer and reproductive problems in women. It may also contribute to early puberty in girls, who typically begin that stage of life when they are around 10 years old. It can also cause infertility due to negative effective on male genital development and may lead to infertility in women as well. The NIH says parents can safely use baby bottles identified as "BPA-free". However, the American Academy of Pediatrics (AAP) recommends that parents use alternatives to plastic, when possible, because some studies suggest that harmful chemicals leach from any type of plastic-even those that don't contain BPA. Always use glass or stainless steel milk bottle for your child. Use wooden toys instead of plastic toys. Steel bottles or copper bottles should be used as a replacement for plastic water bottles. pack your child's lunch in steel lunch box and avoid using aluminium foil. (use muslim cloth instead). Use silence as an alternative for items that you would otherwise use plastic for.

Dr. Nancy
Assistant Professor in Zoology

Because I'm IP

Intellectual Property rights is the oil of the 21st century,
So, let's start the IP intro Journey
Hey, I'm IP
Once an exception, now the norm
I'm your creature without any thorn
No reason to bemoan. Don't make your mind overblown
For, I am shorn from your every own horn
But if you're mourn, 'cause I can't be forgone
Let me then warn
The copyright belongs to me
Which I can prove quite easily
If you attempt to plagiarize
You might well find to your surprise
Because I'm the hope, and you are in forlorn
I will not hesitate to sue
So think before you do
But still, if you see hope in me, Then thee, you might not be glee, Because you can't snare, as I, the new norm, is here.
Yet, If you care, then beware
Such theft incurs a penalty.
The law provides a remedy
For those who claim dishonestly
Because I'm IP-once an exception now the norm!
Are you prepared to pay the price or
Wise enough to heed advice
Get your exception and bless the bygone
Because I'm IP- once an exception now the norm!

Name: Deepika Sharma
Class: B. Sc I

An Ode to the Beautiful College Days

Sweet were the days
of semester one
gossips, ragging, classes
and so much fun.
Together we spent
those sleepless nights
that drama before exams
those endless fights
Before we got to used to it,
time all but flew
the holidays were over
and it was semester two.
Attendance was a problem but
we learned to cooperate
proxies became a thing
much to the prof's hate.

Name: Sneha
Class: B.Sc I

In Another Lifetime

I'll find you in another lifetime, Under different skies, in a different time. Our love destined, Eternal and true, Through any distance. I'll always come back to you. Our paths may apart, For a little while, But in another lifetime, I'II find you with a smile.

Our love a flame, That refuses to die, Burning bright and strong. Through the days and the night sky.

So don't worry my love, if we don't survive Our love will still strive, forever alive.

For even if fate takes us on separate ways.
In another lifetime, we'll share Endless days.

Name: Rakhi
Class: B.Sc. III

पिता

पहले वो भूखा रहता, क्योंकि काम करता था।
अब भी वो भूखा रहता है, क्योंकि काम नहीं करता।
जरूरतें मारकर अपनी रहता था,
कि बच्चों के खिलौने आ जाए।
अब भी जरूरतें मारकर रहता है,
कि अब बच्चों ने शौक बड़े पाले हैं।
अकेले में तब भी रो लेता था,
बच्चों को जब डांट कर सोता था।
अकेले में अब भी रो लेता है,
जब बच्चे गुस्सा कर सो जाते हैं।
प्यारा सा वो पुरूष
भगवान का बनाया नायाब तोहफा है,
पहले भी भगवान का एक अवतार माना जाता था,
अब भी भगवान का ही एक अवतार हैं।
इज्जत करो उस महान पुरूष की
जिसने तुम्हें खून–पसीने से सींचा।
क्योंकि पहले भी वो तुम्हारे कर्मों का फल था।
अब भी वह तुम्हारे कर्मो का ही एक फल होगा

नामः राखी
कक्षा बी.एस.सी. तृतीय वर्ष

मैं छोटी सी कली

मैं छोटी सी कली
बाबुल के आंगन में पली,
ना करो मेरी हत्या,
मैं हूँ इस देश की कन्या।,

ऐ जगवालो! यह दर्द हमारा
रो रोकर तुम्हें सुनाती हूँ
गर्भस्थ शिशु कन्या निरीह,
संसार त्याग मैं जाती हूँ।

तो ऐसी वैसी न समझो कि यूँही बहल जाउँगी
ऐसी वैसी न समझो कि यूँही बहल जाउँगी,
मेरी बातों को जरा गौर से सुनिएगा
भारत देश की बेटी हूं दो शब्दों में खेल जाउँगी।

एक छोटी–सी मैं लड़की हू कुछ सवाल लेकर आई हूँ
आंखों में आसूं दिल में बवाल लेकर आई हूँ।
आप सभी का मौन साधना बस आज नहीं चाहिए
आखिर क्यों इतनी गलत होती हैं लड़कियँ बस
आज यही बताइए।

ऐ मानव तू तो दानव
केवल अधिकार तुम्हारा क्या?
तूने क्यों मुझको मार दिया
था मैंने तेरा बिगाड़ा क्या?

क्यों मार देते हो उसे जन्म से पहले ही
क्या कसूर है उसका,
आने वाली वो नन्ही–सी कली
तुम्हारे घर पर शायद यही कसूर है उसका।

आती है वो कन्या का रूप लेकर
करती है माँ लक्ष्मी बनकर घर में वास
जन्म से पहले ही क्यों मार देते हो उसे
उसने नहीं ली हैं अभी तक सांस।

गर्भस्थ शिशु की हत्या करकर
तूने कितने अपराध किए
मैं दुनिया को न देख सकी
पापी तूने क्यों घात किए?

ली शरण प्रभु के चरणों में
मैं वापिस उनके पास गई,
मेरी पीड़ा सुन प्रभु रोए
जब स्वर्गलोक में भेंट हुई।
क्यों करते हो बराबरी उसकी
एक बेटे की चाह में
उसे जरा अपनाकर तो देखो
भगवान रखें तुम्हे अपनी पनाह में।

इंसान कहलाते सर्वश्रेष्ठ
पर कैसा ढोंग दिखाते हैं,
इतनी नफरत धोखा तो
वो पशु भी नहीं रचाते हैं।

कन्या की हत्या करके
तुम पाप खुद कमाओगे,
खुशियाँ आने से पहले ही
क्या खुशियों को घर से भगाओगे।

कन्या भगवान से शिकायत कर कहती हैः
यह कैसी तेरी दुनिया है
अब प्रभु से मुझको कहना है,
ना जन्म मिले इस धरती पर
उस जग में अब न रहना है
उस जग में अब न रहना है।

ऐ! जगवालों यह दर्द हमारा
रो रोकर तुम्हें सुनाती हूँ
गर्भस्थ शिशु कन्या निरीह
संसार त्याग अब जाती हूँ।

मैं छोटी सी कली
बाबुल के आंगन में पली
ना करो मेरी हत्या
मैं हूं इस देश की कन्या
मैं हू इस देश की कन्या

नामः दीपिका शर्मा
कक्षाः बी.एस.सी.

(Prize Winning Poem at District Level)

The Road to Success

The road to success is steep and long
Full of challenges, where you must be strong
With each step forward, keep your vision clear,
Success is the destination, have no fear
Embrace the struggle, learn from each fall,
Rise again, for success is a call.
Preserve with passion, let your dreams guide,
Success is earned, not just a side.

Name: Divya Sharma
Class: B.Sc I

Understanding Heart Attacks

Introduction: Heart attacks, also known as myocardial infarctions, are a leading cause of death worldwide, claiming millions of live each year. In this comprehensive article, we explore the intricacies of heart attacks, from their underlying cause to their management and prevention strategies.

Anatomy and Function of the Heart: The heart is a muscular organ located in the chest cavity, responsible for pumping oxygen-rich blood to all parts of the body. It consists of four chambers-two atria and two ventricles and a network of blood vessels, including arteries, veins, and capillaries.

Cause and Risk Factors: Heart attacks occur when the blood flow to a part of the heart is blocked, usually by a buildup of plaque in the coronary arteries. This blockage deprives the heart muscle of oxygen and nutrients, leading to tissue damage and cell death. Several factors can contribute to the development of plaque, including high cholesterol, high blood pressure, smoking diabetes, obesity, and a sedentary lifestyle. Symptoms: The symptoms of a heart attack can vary from person to person and may include chest pain or discomfort, shortness of breath, nausea, lightheadedness, sweating, and pain or discomfort in the arms, back, neck jaw, or stomach. It ‘s essential to recognize these symptoms and seek prompt medical attention, as early intervention can improve outcomes and reduce the risk of complications.

Diagnostic Tests: Diagnosing a heart attack typically involves a combination of medical history, physical examination, and diagnostic tests. Common test include electrocardiography (ECG or EKG) which measures the heart’s electrical activity, blood tests to detect cardiac enzymes released during a heart attack, echocardiography to assess heart function, and coronary angiography to visualize blockages.

Treatment: The treatment of a heart attack aims to restore blood flow to the affected area of the heart, minimize damage, and prevent complications. Immediate treatment often involves administering medications such as aspirin, nitroglycerin, and clot-busting drugs to dissolve the blockage, In some cases, emergency procedures such as percutaneous coronary intervention (PCI) or coronary artery bypass grafting (CABG) may be necessary to restore blood flow.

Prevention Strategies: Preventing heart attacks involves adopting a heart-healthy lifestyle and managing risk factors effectively. This includes maintaining a balanced diet low in saturated and trans fats, cholesterol and sodium engaging in regular physical activity, quitting smoking managing stress, controlling blood pressure and cholesterol levels, and managing conditions such as diabetes and obesity. Regular medical check-ups and screenings are also crucial for early detection and management of cardiovascular risk factors.

Conclusion: By understanding the cause, symptoms, diagnostic methods, treatment options, and prevention strategies associated with heart attacks, individuals can take proactive steps to protect their heart health and reduce their risk of experiencing a life-threatening event. Through education, awareness, and collaborative efforts, we can work together to combat heart disease and improve cardiovascular outcomes for people around the world.

Name: Anchal
Class: B.Sc-II year

Women Development Cell

Youth and Red Cross

Placement Cell

Science Exhibition

Yoga Championship

संस्कृत अनुभागः

प्राध्यापक सम्पादिका
श्रीमती कमलेश शर्मा

छात्र सम्पादिका
तनुजा

क्रमांकः

क्रम संख्या	शीर्षक	लेखकः	पृष्ठ संख्या
1.	सम्पादकीयम्	श्रीमती कमलेश शर्मा	33
2.	आत्मविश्वासः	शिखा	34
3.	व्यावहारिक–संस्कृत शुभाशयाः	ज्योति मिश्रा	34
4.	जीवाः	शिखा	34
5.	विद्या पर श्लोक	शालिनी निर्मल	35
6.	न वाच्यम् एतादृशं वचनम्	त्नुजा	36
7.	व्यवहारिक–संस्कृतवाक्यानि	मनीषा पाण्डे	36
8.	विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक श्लोक	मनीषा पाण्डे	37

सम्पादकीयम्

अपि सुखाणीसमुपासकाः सह्रदयाः।

भारतीय संस्कृतिपरिज्ञानं संस्कृताधीनम्। यतो हि संस्कृते एव संस्कृतिस्वरूपं समुल्लिसितं वर्तने। अस्माकं सांस्कृतिकनिधयः संस्कृते एव सुरक्षिताः सन्ति। अतस्तज्ज्ञानर्थं संस्कृताध्ययनं नितान्तमावश्यकम्। स्वकीया संस्कृतिर्यदि न सुज्ञाता स्यात् परिरक्षिता च न भवेत् तर्हि मानवजीवनस्य सुसाफल्यं न स्यात्। अतो भारतीयसंस्कृतेः परिज्ञानार्थं सांस्कृतिकनिधीनाण्च परिरक्षणार्थं पूर्वं तथैवाधुनापि संस्कृताध्ययन आवश्यकमिति।

संस्कृतं न केवलमेका भाषा अपितु इदं सर्वसाम् विधानां बीजभूतेति वक्तुं शक्यते। अस्य ज्ञानं बिना भारतवर्षस्य भौगोलिकमैतिहासिकमाध्यात्मिकं व्यवहारिकण्च तत्वज्ञानं सम्यगाहर्तुं न शक्यते। इयं भाषा भारतवर्षस्यामूल्यनिधीनां भाण्डागारो विद्यते। एतस्य भाण्डागारस्य समृद्धये व्यापकरूपेण संस्कृत वाड़्मये निहितचिन्तनप्रवाहस्य निरन्तरं प्रचाराय प्रसाराय पत्रिकायाः महत्वपूर्ण स्थानं विद्यते। लेखकपाठकयोर्मध्ये पत्रिकैव सेतुर्भवति। लेखकानां पाठकानाण्च परिश्रमेणैव पत्रिका सम्यक् रूपेण सण्चलति। अतएव अस्याः पत्रिकायाः सम्यक् सण्चालनाय संर्वद्धनायच ये लेखाः प्रदत्ताः ते सर्वेऽपि विद्वासः धन्यवादार्हाः सन्ति।

कमलेश शर्मा
प्राध्यापिका
संस्कृत विभाग

आत्मविश्वासः

दीपकः प्रकाशः च द्वे मित्रे आस्ताम्। द्वे एव एकस्मिन एव विद्यायले अपठताम्। दीपकस्य जनकः धनिकः आसीत्। सः पठने अपि कुशाग्रः आसीत् सः प्रतिवर्षे प्रथम स्थानं लभते स्म प्रतियोगितायामपि प्रथम स्थान लभते स्म एतस्मात् कारणात् सः स्व विषये निश्चिन्तो आसीत् मम स्थानम् कोऽपि ग्रहीतुं च शक्नोति!

प्रकाशम्य पिता साधारणः आसीत् सः काठिन्येन तस्य पालनं करोति स्म प्रकाशस्य अध्ययने रूचिः न आसीत् तस्य परीश्रापरिणामम् अपि शोभनम् न आसीत् सः कृशकायः आसीत्। सर्वदा दुखितः दृश्यते सः चिन्तयसि स्म मम जीवनम् व्यर्थम् एव अस्ति अहं कोऽपि कार्यक कर्तुम् न शक्नोति सः हीभावनया ग्रसितः आसीत्।

एकदा प्रकाशस्य भागिनी भ्रातरंम आह्य उक्तवती त्वमेव अस्माकं गृहस्थ कुल दीपकः अस्ति! त्वया प्रकाशेन एव इदम् गृहं प्रकाश्यते भवान् ज्ञायते अस्माकं पिता काठिन्येन अस्माकं, पाठयति अस्माकं कर्तव्यमस्ति यत् वयम् उचितां शिक्षां गृहीत्वा योग्याः भवेयुः भवान् स्व मनसः हीनभावना निस्सारेयत्: आत्मविश्वास दृढ़करोतु चः आत्मविश्वासम् अंस्माकं मित्रम भवति हीनभावना अस्माकं शत्रुः भवति।

एतत् श्रुन्ता तस्य मनसि उत्साहः जायते। सः प्रतिदिनम् पठति प्रतियोगितायाम् अपि प्रतिभागी भवतिः वार्षिक परीश्रायाम् प्रतियोगितायां सः प्रथमं स्थान प्राप्तवान दीपकः स्वमित्रस्य प्रगति दृष्टवा चकितः अभवत् वार्षिकोत्सते प्रकाशं आहूय मुख्यातिथिः पुरूस्कांर दतवान् भूरि–भूरि प्रशंसा कृत्वान च प्रकाशः उक्तवान मम मनसः हीनभावना न निस्सारयति तर्हि मम मनसि आत्मविश्वासः न जायते अहम् अपि छात्रेश्यः प्रेरणा यच्छामि हीनभावना परित्यज्य आत्मविश्वासः ग्रहणीयः च! यस्य आत्मविश्वासः दृढः भवति सः जीवन क्षेत्रे कदापि असफलतां न लभते परम् अधिकात्मविश्वासेन अंहकारः भवति अतः अंहकारः न अपि करणीयः।

नाम : शिखा
कक्षा : बी.ए. प्रथम वर्ष

व्यावहारिक–संस्कृत शुभाशयाः

- भूयात् सर्व सुमगलंम्।
- सफलतायै अभिनन्दनम्
- नव वर्ष शुभम् भूयात्।
- नव वर्ष मंगलम् भूयात्।
- नव वर्ष चैतन्यं ददातु।
- जन्मदिनस्य शुभाशयः।
- जन्मदिनस्य हार्दिक शुभेच्छाः।
- भवतु मंगलम् जन्मदिनम्।
- सुदिनं सुदिनं जन्मदिनम्।
- जन्मदिवसस्य मगलकामना।
- दीपावल्याः शुभाशयाः।
- शुभास्ते पन्थानः।
- विवाहस्य वर्धापनदिनस्य अभिनन्दनानि।
- भवतः वैवाहिक वर्षदिवसं सुखमयं भूयात्।
- यशस्वी भवतु।
- जीवेत शरदः शतम्।
- विजयी भव सर्वदा।
- संस्कृत दिवस्य हार्दिकी शुभैषणा।
- सर्वेभ्यः विश्वंस्कृतदिवस्य शुभाशयाः।
- सर्वेभ्यः संस्कृत सप्ताहस्य अनन्तान्ता शुभकामना।

नाम : ज्योति मिश्रा
कक्षा : बी.ए. प्रथम वर्ष

जीवाः

बुद्धिमान हस्ती चतुरः श्रृगालः
सरला च धेनुः चंचलश्च वानरः।
मधुरस्वरा कोकिला कर्कशाश्च काकः
शकुश्चानुकर्ता तितीर्षुश्च वर्तकः।
तीव्रगामी अश्वः सुनयना च हिरणी
नृत्यप्रियः मयूरः हसां मृदुनादिनी।
सिंह आक्रामकः भयंकर ऋक्षः
निद्रालुः शूकरः दिवान्यः उलूकः
हिंसकस्तु व्याघ्रः वकः ध्यानमग्नः
असलश्च गण्डकः गर्दभैव गर्दभः।

नाम : शिखा
कक्षा : बी.ए. प्रथम वर्ष

विद्या पर श्लोक

अधिगत परमार्थान्यापिण्डतान्मावमंस्था
स्तृणार्मव लघुलक्ष्मीनैंव तान्संरूणद्धि।
अभिनवमदलेखाश्यामगण्डस्थलानां
न भवाते बिसतन्तुवरिणं वारणानाम्।।

भावार्थः–
किसी भी बुद्धिमान भक्ति को कभी भी काम या अपमान के लिए नहीं आंका जाना चाहिए क्योंकि भौतिक संसार की भौतिक संपति उसके लिए घास की तरह है। जिस प्रकार शराबी हाथी को कमल की पंखुड़ियो से नियंत्रित नहीं किया जा सकता, उसी प्रकार धन से बुद्धिमान को नियंत्रित करना असभंव है।

विद्यां ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम्।
पात्रत्वात् धनमाप्नोति धनात् धर्म ततः सुखम्।।

भावार्थः–
ज्ञान विनय देता है, विनय से पात्रता, पात्रता से धन, धन से धर्म और धर्म से सुख की प्राप्ति होती है।

संयोजयति विद्यैव नीचगापि नरं सरित।।
सुमुद्रामिव दुर्धर्षं नृपं भाग्यमतः परम्।।

भावार्थः–
जिस प्रकार नीचे की ओर बहने वाली नदी नाव में बैठे व्यक्ति को अगम्य समुद्र में ले जाती है, उसी प्रकार निम्न जाति में पारित ज्ञान भी उस व्यक्ति को राजा से मिलवाता है, और राजा के मिलने बाद उसकी किस्मत खिल जाती है।

रूप्यौवनसंपन्ना विशाल कुलसम्भवाः।
विद्याहीना न शोभन्ते निर्गन्धा इव किंशुकाः।।

भावार्थः–
रूप में धनी, यौवन, और भले ही एक विशाल परविार में पैदा हुए हों, लेकिन जो शिक्षाहीन है, वे बिना सुगंध के कसौदा के फूल की तरह सुशोभित नहीं होते है।

माता शत्रुः पिता वैरी येन बालो न पाठितः।
न शोभते सभामध्ये हंसमध्ये बको यथा।।

भावार्थः–
जो अपने बच्चे को शिक्षा नहीं देता, ऐसी मां शत्रु के समान होती है और उसका पिता शत्रुतापूर्ण होता है, क्योंकि हंसो के बीच बगुले की तरह ऐसा आदमी विद्वानों की सभा को शोभा नहीं देता।

ज्ञातिभि र्वण्टयते नैव चोरेणापित न नीयते।
दाने नैव क्षयं याति विद्यारत्नं महाधनम्।।

भावार्थः–
ज्ञान का रत्न एक महान धन है, जिसे विद्वान बांट नहीं सकते, जिसे चोर छीन नहीं सकते और जिसका दान क्षय नहीं होता।

विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनम्
विद्या भोगकारी यशः सुखकारी विद्या गुरूणां गुरूः।
विद्या बन्धुजनो विदेशगमने विद्या परं दैवतम्
विद्या राजसु पूज्यते न ही धनं विद्याविहीनः पशुः।।

भावार्थः–
ज्ञान मनुष्य का विशेष रूप है, यह छिपा हुआ धन है। वह भोग की दाता, यश की दाता और उपकारी है। विद्या गुरूओं की गुरू है, विदेश में वह मनुष्य की भाई है। विद्या महान देवता है, राजाओं में ज्ञान की पूजा होती है, धन की नहीं। इसलिए वह बिना शिक्षा वाला जानवर है।

नास्ति विद्यासमो बन्धुर्नास्ति विद्यासमः सुहृत।
नास्ति विद्यासमं वित्तं नास्ति विद्यासमं सुखम्।।

भावार्थः–
विद्या जैसा कोई मित्र नहीं है, विद्या जैसा कोई सुह्रत नहीं होता है। विद्या के समान धन नहीं होता है, विद्या के समान सुख नहीं होता है।

दानानां च समस्तानां चत्वार्यतानि भूतले।
श्रेष्ठानि कन्यागोभूमि विद्या दानानि सर्वदा।।

भावार्थः–
कन्यादान, गोदान, भूमिदान और विद्यादान सभी दानो में सर्वश्रेष्ठ है।

विद्याभ्यास स्तपो ज्ञानमिन्द्रियाणां च सयमः।
अहिंसा गुरूसेवा च निः श्रेयसकरं परम्।।

भावार्थः–
विद्या, तम, ज्ञान, इन्द्रिय–संयम, अहिंसा और गुरूसेवा ये परम कल्याण है।

नाम : शालिनी निर्मल
कक्षा : बी.ए. प्रथम वर्ष

न वाच्यम् एतादृशं वचनम्

महाराजः कृष्णदेवरायः विजयनगरे राज्यं करोति स्म। तस्य राज्ये रामैया नामः प्रोढः आसीत्। तस्य विषये प्रसिद्धमाासीत् यत् तस्य मुखदर्शनम् अभुभम्। यः प्रभोते रामैया पश्यति सः सम्पूर्ण दिवसं भोजनं न लभते। अत एव सर्वेऽपि तस्य मुखदर्शनं विशेषतः प्रभातवेलामां परिहरन्ति स्म।

एकदा राजा कृष्णदेव रायः वार्तेयं श्रुतवान्। सः तस्य परीक्षणार्थं निजसेवकम् आदिशत् –''भो! रामैया–नामनं जनं रात्रै आकार्य मम समीपस्थे कक्षे स्थापयतु। प्रभाते सति सर्वप्रथमम् अहमेव तस्य मुखं द्रव्यामि।

'यथादिशति महाराम!'' इति उक्त्वा सेवकः तथैव कृतवान्। प्रभातकाले कृष्णदेवरायेण सर्वप्रथम् तस्यैवमुखम् अवलोकितम्। राजसभायाः कार्याणि कृत्वा राजा भोजनकक्षं प्राप्तवान्। तदा परिवेषिते भोजने एका मक्षिका पतिता इति दृष्ट्वा सः भोजनं त्यक्तवान्। पुनः भोजनस्य व्यवस्थाया विलम्बो भवति अतः सः भोजनं न कृतवान्। सः चिन्तयति–बहुविलम्बात् मम क्षुधा– अनुभूतिः नास्ति''

नूनं रामैया अभुमदर्शनः जनः। तस्य प्रातः काले मुख दर्शनने अहं सर्व दिनं भोजनं न कृतवान्, सः दण्ड्यः। एवं तस्मै प्राणदण्डस्य निश्चयम् अकरोत्।

अग्रिम दिवसे राजा घोषणामकरोत्– एषः रामैया अशुभदर्शनः। अतः एतस्यै प्राणदण्डं ददामि। सेवकः प्राण रक्षायै बहु याचनम् अकरोत्– ''मो अन्नदातः। अत्र मम दोषः नस्ति। नाहम अभुभ–दर्शनः। अहम् क्षमा–प्रार्थी। कृप्या मुंचतु मामहं नगरमेव त्यक्ष्यामि।।''

राजा तु किमपि न श्रुतवान्। अधुना रामैया चिन्ततवान्– ''र्कि करोति निर्दोषोऽपि प्राणदण्ड प्राप्तवानस्मि। अधुना तेनालीरामं शरणम् गच्छमि।

तेनालीरामस्य समीपे सर्वं निवेदितवान्–भवान् एवमम् रक्षकः त्वदन्यः मम रक्षकः नास्ति।''

तेनालीरामः तस्य कर्णे एवम् अवदत्–यदा प्रहारकर्ता तव अन्तिमाम् इच्छाम् प्रच्छेत् तदा मिलति किन्तु महाराज–कृष्ण देवरायस्य मुखदर्शनेन प्रातः काले करोति सः तु प्राणन् त्यजति'' इति उक्त्वा तेनाली रामः ततः अगच्छत्।

अन्तिम दिवसे शूल–आरोपण काले यदा प्रहारिणः तस्यः इच्छां ज्ञातवन्तः ते विस्यिता अभवन् त्वरितं च राजः समक्षं सर्वं निवेदितवन्तः।

तत् श्रुत्वा कृष्णदेवरायः स्तब्धः अवगत् अवदत् च –''कमेतत् रामैया तु मामेव अशुभ दर्शनं सप्रमाणं घोषितुमिच्छति। अनेन अनर्थेन अलम्। शीघ्रं तं मृत्युदण्डान् मुंचामि।''

एव महाराज–आदेशेन रामैया बहु स्वर्णमुद्राः प्राप्य तस्मात् नगरात् अन्यत्र अगच्छत् सुखेन च अवसत्।

नामः तनुजा
कक्षाः बी0ए0 तृतीय वर्ष

व्यवहारिक–संस्कृतवाक्यानि

ममस्वास्थ्यं समीचीनं नास्ति। महती पादवेदना।

सामन्यतः शिरोवेदना यदा तदा आगच्छति।

किंचित् ज्वरः इव।

वैधं पश्यतु।

मम मवनशङ्का।

वैधस्य निर्देशन स्वीकरोतु।

किमर्थं कण्ठः अवरूद्धः?

अहम् अतीव श्रान्तः।

तस्य आरोग्यं कथम् अस्ति ?

अहम् अतीव श्रान्तः।

तस्य आरोग्यं कथम् अस्ति?

अद्य किण्चित् सम्यक् अस्ति?

प्रातः आराभ्यः लघु शिरोवेदना।

आरोम्यं तावन् सम्यक् नास्ति।

वैधं कदः दृष्टवान्?

उत्साह एव नास्ति भोः।

ह्यः तु स्वस्थः आसीत्

किम् अद्य अहं भोजनं कर्तुं शक्नोमि?

नामः मनीषा पाण्डे

कक्षाः बी.ए. प्रथम वर्ष

विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक श्लोक

काक चेष्टा वको ध्यानं श्वाननिद्रा तथैव च।
अल्पाहारी गृहत्यागी, विद्यार्थी पंचम लक्षणम।।

काक चेष्टा – इसका अर्थ है कि विद्यार्थी को हमेशा कौवे की तरह एकाग्र और चौकन्ना रहना चाहिए। साथ ही आलस्य का त्याग कर देना चाहिए । इससे विद्यार्थी के जीवन में सफलता के द्वार खुलते है।

वको ध्यानं – वको ध्यानं का अर्थ है कि विद्यार्थी को अपने लक्ष्य पर वैसे ही फोकस करना चाहिए। जैसा कि एक बगुला पानी में एक पैर पर खड़े रहकर मछली को घात लगाने के दौरान रहता है।

अल्पाहार ले – विद्यार्थी को अल्पाहार लेना चाहिए, क्योंकि कम खाने से आलस्य नहीं आता है और ऐसे में विद्यार्थी कोई भी काम में मन लगा सकते है।

गृह त्याग – विद्यार्थी को सफल होने के लिए माता–पिता, रिश्ते–नाते और परिजनों से मोह त्याग देना चाहिए। क्योंकि मोह रखने वाला व्यक्ति जीवन में कभी सफल नहीं हो सकता। ऐसी स्थिति में विद्यार्थी को घर भी त्याग देना चाहिए। जिससे सफलता हाथ लगती है।

अतः विद्यार्थी को इन संबंधो से दूर रहकर केवल अपनी विद्या पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। यही विद्यार्थी के पांच लक्षण है, जो अपने जीवन में सफल बनाते है।

गुरूर ब्रह्म गुरू विष्णु गुरू देवो महेश्वरः।
गुरूः साक्षात्परब्रह्म तस्मै श्री गुरूव`नमः।।

उपर्युक्त श्लोक विद्यार्थियों के लिए बहुत विशेष है। इस श्लोक के माध्यम से उन्हें अपने जीवन में गुरू के स्थान एवं महत्व के बारे में पता चलता है। श्लोक की प्रथम पंक्ति में कहा गया है कि गुरू ही ब्रह्म है।
यहां गुरू को भगवान ब्रह्म को उपाधि दी गई है। अर्थात गुरू ही सृष्टि के निर्माता के समान है। श्लोक में आगे कहा गया है कि गुरू ही विष्णु है, अर्थात गुरू ही संसार के संरक्षक व पालन कर्ता हैं। गुरू ही महेश्वर, अर्थात भगवान शिव जो कि संहारक है, उनके समान है। अर्थात् गुरू ही अज्ञान का विध्वंस कर ज्ञान की स्थापना करते हैं।

श्लोक की आगे की पंक्तियों में कहा गया है कि गुरू ही धरती पर साक्षात परम ब्रह्म परमेश्वर हैं और उस एक मात्र सच्चे गुरू को मैं नमन करता हूं। इस श्लोक से हमें यह शिक्षा मिलती है कि गुरू का स्थान ईश्वर की समानांतर है, क्योंकि गुरू ही हैं, जो हमें संसार के हर ज्ञान से अवगत कराते हैं। अतः विद्यार्थी को चाहिए कि वह सदैव अपने गुरू का आदर करें।

सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदां पदम्।
वृणते हि विमृष्यकारिणे गुणलुब्धा स्वयमेव सम्पदः।।

प्रस्तुत श्लोक में विवके के महत्व के बारे में बताया गया है कि यह श्लोक विशेषकर उन विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण है जो अत्यंत उत्साहित रहते है एवं कई मौको पर विवके खो देते है।

श्लोक की प्रथम पंक्ति कहती है कि अचानक आवेश में आकर बिना सोच–विचार कर कोई भी काम नहीं करना चाहिए। बिना सोचे समझे किया गया काम विनाशकारी सिद्ध होता है। क्योंकि विवके हनिता एवं विवके शून्यता सबसे विशाल विपतियों का घर अर्थात मूल कारण होती हैं।

इसके विपरीत जो व्यक्ति विचार विमर्श कर, सोच समझकर कार्य करता है उसे स्वयं ही गुणो से लुब्ध अर्थात् आकृष्ट होने वाली धनसंपदा की देवी मां लक्ष्मी चुन लेती है। अर्थात् उसे स्वयं ही धन–संपदा एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। इस श्लोक से हमें शिक्षा मिलती है कि जीवन में हर कार्य सोच समझकर एंव विवके धारण करके करना चाहिए। कोई भी कार्य जल्दबाजी या आवेश में आकर नहीं करना चाहिए।

नाम : मनीषा पांडे
कक्षाः बी.ए. प्रथम वर्ष

Name of the Magazine	:	ARCHISHA
Place of Publication	:	Panchkula
Periodicity	:	Yearly
Name of the Printer and Publisher	:	Dr. Richa Setia
Nationality	:	Indian
Address	:	Govt. PG College for Women, Sector-14, Panchkula
Chief Editor's Name	:	Mrs. Taruna
Nationality	:	Indian
Address	:	Govt. PG College for Women, Sector-14, Panchkula
Name and Address of Owner who own the newspaper and partners of shareholders holding more than 1% of the total capital	:	Dr. Richa Setia Govt. PG College for Women, Sector-14, Panchkula

I, Dr. Richa Setia, Principal hereby declare that the particulars given above are true to the best of my knowledge and belief.

Sd/-

August 2024

Dr. Richa Setia
Signature of the Publisher

Note: The Contributors to "ARCHISHA" are individually responsible for originality or otherwise of their articles including the consequences thereof.

Printed and published by Dr. Richa Setia, Principal, Govt. PG College for Women, Sector-14, Panchkula.

College in News

डीसी पंचकूला ने ली परेड की सलामी, सभी तैयारियों का लिया जायजा

नारा लेखन में बीए प्रथम वर्ष की पूजा प्रथम

नारा लेखन में पूजा, पोस्टर मेकिंग में खुशी अव्वल

संगीतकार सुभाष चंद्र घोष ने नव स्वर रागिनी की धुनों से बांधा समां

उपायुक्त सुशील सारवान ने बतौर मुख्य अतिथि की शिरकत

आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग हरियाणा और जिला प्रशासन पंचकूला के तत्वावधान में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

5 colleges sign MoU on road safety

कपिल और काजल ने पास की नेट परीक्षा

विद्यार्थियों ने मॉडल बनाकर किया जागरूक

110 विद्यार्थियों ने 54 मॉडल प्रस्तुत कर दिया प्रतिभा का परिचय

ललित कला में महिलाओं के प्रतिनिधित्व पर विद्वानों ने प्रस्तुत किए विचार

सेक्टर-14 गर्ल्स पीजी कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

पंचकूला। सेक्टर-14 गर्ल्स पीजी कॉलेज में संगीत विभाग की ओर से महिलाएं, ललित कलाओं की एक सार्थक अभिव्यक्ति विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

पहले सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में पंजाब यूनिवर्सिटी के प्रो. पंकज माला शर्मा रहे। पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला की प्रोफेसर डॉ. निवेदित सिंह उप्पल मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहीं। दूसरे सत्र में रिसोर्स पर्सन के रूप में विजुअल आर्ट्स एवं डीन फैकल्टी ऑफ परफॉर्मिंग की विभागाध्यक्ष डॉ. हिम चटर्जी रहीं। इसके साथ डॉ. हिम चटर्जी ने ललित कलाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व विषय पर अपने विचारों के माध्यम से सेमिनार के प्रतिभागियों की समझ को अधिक विस्तृत करने के लिए अंतर्दृष्टि प्रदान की। संवाद

महिलाएं: ललित कलाओं की एक सार्थक अभिव्यक्ति विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित।

माई नी मेरिये शिमले नी बसणा की प्रस्तुति देकर किया मंत्रमुग्ध

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी महिलाएं ललित कलाओं की एक सार्थक अभिव्यक्ति का समापन हुआ

राजकीय महिला महाविद्यालययूजीसी नेट तैयारी विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ

छात्रों को उद्यमिता और स्टार्टअप के बारे में बताया

पंचकूला। सेक्टर-14 गवर्नमेंट गर्ल्स पीजी कॉलेज में योजना प्रगति पर एक दिवसीय जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र का आयोजन कॉलेज की कॉमर्स सब्जेक्ट सोसाइटी ने किया। यह सत्र छात्रों को उद्यमिता और स्टार्टअप के बारे में जागरूक किया गया। सत्र की मेजबानी स्टार्टअप इनक्यूबेशन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, सेक्टर- 1 पंचकूला की तनुश्री चंद्रा ने की। उन्होंने छात्राओं को बताया कि हरियाणा उच्च शिक्षा विभाग की ओर से 2017 में पांच जिलों में स्टार्टअप इनक्यूबेटर सेंटर बनाए गए, जिनका उद्देश्य छात्रों के बेहतर भविष्य के लिए उनके आइडिया को बिजनेस का आकार देना है। ब्यूरो

पंचकूला

पीजी गर्ल्स कॉलेज में एनएसएस शिविर शुरू

राजस्थानी और हरियाणवी लोकनृत्य से बांधा समा

गायन प्रतियोगिता में रीति-सृष्टि प्रथम

राजकीय पीजी महिला महाविद्यालय में मेरा वोट देश के लिए कार्यक्रम

पंचकूला। राजकीय पीजी महिला महाविद्यालय, पंचकूला में 2 मार्च, 2023 से 6 मार्च 2023 तक "मेरा वोट देश के लिए" कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसके तहत युवा मतदाताओं व पहली बार मतदान कर रही छात्राओं को जागरूक करने हेतु विभिन्न कार्यकर्मो का आयोजन किया जा रहा है। इस कड़ी में सोमवार की इस कार्यक्रम के तहत छात्राओं को ऑडियो-विजुअल सामग्री दिखाई गई, जिससे प्रेरित होकर छात्राओं ने अनिवार्य मतदान करने हेतु लोकतंत्र के महोत्सव में बढ़ चढ़ कर भाग लेने हेतु अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय में चुनावी साक्षरता सेल के नोडल अधिकारी डॉ नवीन मालिक व राष्ट्रीय सेवा योजना की समन्वयक ज्योति शर्मा के सानिध्य में किया जा रहा है।

दैनिक भास्कर 2024-03-13

Inter-collegiate yoga competition organised in Government PG Women's College

TDG NETWORK
PANCHKULA

A three-day inter-collegiate yoga competition is being organized at the Government Post Graduate Women's College, Panchkula. This competition will be organized from 15 March 2024 to 17 March 2024. The chief guest of the competition was Vineet Garg, I.A.S., Additional Chief Secretary, Higher Education, Haryana, was welcomed with a flower bouquet by the Principal of the college, Dr. Richa Setia. Addressing the participants, Chief Guest Vineet Garg said that Yoga makes a person physically and mentally balanced and capable of fighting the challenges of life, and in this context, June 21 was celebrated as International Yoga Day all over the world.

A total of 21 teams are participating in the competition, including 8 teams in the men's category, and 13 teams in the women's category. Today's winning teams in the competition, those qualified for the second round, were respectively - Guru Nanak Girls Mahavidyalaya, Yamunanagar (Women); Rajiv Gandhi Government P.G. Mahavidyalaya, Saha (Male); Maharishi Valmiki Sanskrit University, Kaithal (Women); Maharishi Valmiki Sanskrit University, Kaithal (Male); Chaudhary Ranveer Singh University Jind (Women); Rajiv Gandhi Government P.G. College, Saha, (Women); Fateh Chand Mahila Mahavidyalaya, Hisar (Women) and Dayanand College, Hisar (Men).

The main patrons of the competition are college principal Dr Richa Setia, coordinator Kamlesh Sharma and organizing secretary Dr Sangeeta Rathi. In the closing ceremony of the competition, the Chief Guest will be Padma Shri Awardee Smt. Mamta Sodha, ACP Panchkula, and the guest of honour will be Dr Kuldeep Beniwal, Assistant Professor and Deputy Director, Sports (Retd).

अंतर-महाविद्यालयी राज्य-स्तरीय योग प्रतियोगिता

योग : महिला वर्ग में भिवानी, पुरुष वर्ग में हांसी अव्वल

एनएसएस शिविर में ग्रामीणों को दी शिक्षा के महत्व की जानकारी

पंचकूला में दिवसीय अंतर-महाविद्यालयी राज्य-स्तरीय योग प्रतियोगिता का समापन

ਵਿਦਿਆਰਥਣਾਂ ਵੱਲੋਂ ਕਲਾ ਦਾ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨ

पेपर बैग और फ्लावर मेकिंग में स्नेहा व अंजलि रहे अव्वल

पंचकूला। सेक्टर-14 के गवर्नमेंट गर्ल्स पीजी कॉलेज में आयोजित पेपर बैग और फ्लावर कार्यशाला में छात्राओं ने उत्साह से भाग लिया। कार्यशाला में पेपर बैग मेकिंग में स्नेहा मलिक ने पहला स्थान, नैंसी ने दूसरा और तनु ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। पेपर फ्लावर मेकिंग में अंजलि ने पहला, ईशा ने दूसरा और तनु ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस कार्यशाला का आयोजन आईक्यूएसी के वनस्पति विज्ञान विभाग ने किया था। इसमें 41 छात्राओं ने भाग लिया था। इस दौरान आईक्यूएसी की संयोजक तारा जयंत और डॉ. नैंसी ने बच्चों को पेपर बैग और पेपर फ्लावर बनाना सीखाया। निर्णायक मंडल में डॉ. हनी गर्ग, डॉ. नीतू और डॉ. कल्पना शामिल रहे। संवाद

प्रतियोगिता में योग

पंचकूला। सेक्टर-14 के गवर्नमेंट गर्ल्स पीजी कॉलेज में तीन दिवसीय अंतर-महाविद्यालयीन योग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दूसरे दिन प्रतिभागियों ने उत्साह और जोश के साथ प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में 21 टीमों ने भाग लिया। इसमें पुरुष वर्ग की आठ जबकि महिला वर्ग की 13 टीमें शामिल रहीं। प्रतियोगिता के दूसरे चरण में कुल आठ टीमों ने प्रवेश किया। अंतिम चरण के लिए दो पुरुष वर्ग और दो महिला वर्ग की टीमों ने प्रवेश किया। ब्यूरो

ਸਰਕਾਰੀ ਮਹਿਲਾ ਕਾਲਜ 'ਚ ਤਿੰਨ ਰੋਜ਼ਾ ਕਲਾ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਲਗਾਈ

बहुभाषी कविता पाठ में छात्राओं ने सुनाई कविता

एक नजर

राजकीय महिला महाविद्यालय, पंचकूला में आपदा प्रबंधन के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन

नारा लेखन में बीए प्रथम वर्ष की पूजा प्रथम

नारा लेखन में पूजा, पोस्टर मेकिंग में खुशी अव्वल

राजकीय महिला महाविद्यालययूजीसी नेट तैयारी विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ

पंचकूला

एक नजर

योग प्रतियोगिता आयोजित

सेक्टर-14 कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना यूनिट फर्स्ट एवं सेकंड द्वारा एक दिवसीय शिविर का आयोजन

लिटरेरी क्लब एवं हिंदी विभाग की ओर से बहुभाषी कविता पाठ का आयोजन

पंचकूला। राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय सैक्टर 14 पंचकूला मे लिटरेरी क्लब एवं हिंदी विभाग की और से बहुभाषी कविता पाठ का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ रिचा सेतिया ने छात्राओ को जीवन मे साहित्य का महत्व बताते हुए उन्हें अधिक से अधिक भाषाएं सीखने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम मे विभिन्न संकायो की करीब 43 छात्राओं ने हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी और पंजाबी भाषा मे कविता पाठ किया। छात्राओं ने विभिन्न विषयो यथा देशभक्ति, मां की ममता, महिला सशक्तिकरण इत्यादि विभिन्न विषयो पर बड़ी ही मनमोहक कविताएं प्रस्तुत की। इस कार्यक्रम में लगभग 120 छात्राएं उपस्थित रही। कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन लिटरेरी सोसायटी की प्रभारी तरुणा और सदस्य कमलेश शर्मा, डॉ सुनीता रानी के मार्गदर्शन मे किया गया। इस कार्यक्रम मे उप-प्राचार्या डॉ रितु यादव, प्रो.विभा मदान इत्यादि स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहें। इसमे छात्र प्रतिनिधियों प्रिया एम.ए. अंग्रेजी प्रथम वर्ष, अलीशा शर्मा बी.ए. तृतीय वर्ष ...

पंचकूला

राजकीय महिला महाविद्यालय पंचकूला में विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित

सरस मेले में विद्यार्थियों ने जीता दिल

Editorial Board

Staff Editors: (L to R)

Ms. Nandini (Commerce Section), **Ms. Teena Aggarwal** (Science Section), **Ms. Kamlesh Sharma** (Sanskrit Section), **Dr. Richa Setia** (Principal), **Ms. Taruna** (Editor-in-Chief), **Dr. Sukriti Bhukkal** (English Section), **Dr. Sunita Rani** (Hindi Section)

Student Editors:

Rakhi (Science Section), **Kajal** (Commerce Section), **Rajni** (Hindi Section), **Tanuja** (Sanskrit Section), **Mannat Verma** (English Section)

Bidding adieu

to

Ms. Charanjit Kaur

Department of Hindi

GOVT. P.G. COLLEGE FOR WOMEN SEC-14 PANCHKULA
LIBRARY
PLAY GROUND
LABORATORY
BOOK SHOP
ENTRY
COMPUTER LAB
WINDOW
JUICE CORNER
ESTD. 2007
आरोह तमसो ज्योति: